दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'विचारों की भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन व्यवहार की गरिमा ही व्यक्ति के संस्कारों की वास्तविक पहचान होती है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-225 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 9 जुलाई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

असहमति का सम्मान : स्वस्थ समाज और सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला

किसी भी सभ्य समाज की सबसे बड़ी पहचान यह नहीं होती कि वहाँ सभी लोग एक जैसा सोचते हैं, बल्कि यह होती है कि भिन्न-भिन्न विचार रखने वाले लोग भी एक-दूसरे के सम्मान के साथ रह सकें। विचारों में भिन्नता प्रकृति का नियम है। जिस प्रकार संसार में कोई दो व्यक्ति एक समान नहीं होते, उसी प्रकार उनकी सोच, अनुभव और दृष्टिकोण भी समान नहीं हो सकते। इसलिए मतभेद कोई समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया है। समस्या तब पैदा होती है जब विचारों का मतभेद मनभेद, कटुता और शत्रुता में बदल जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज का समय सूचना और संचार का युग है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर दिया है। यह लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन दुर्भाग्य से इसी माध्यम ने असहमति को कई बार संघर्ष और वैमनस्य का रूप भी दे दिया है। यदि कोई व्यक्ति हमारे विचारों से अलग सोचता है, तो उसे गलत, देशद्रोही, मूर्ख या शत्रु मान लेना एक खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है। यह प्रवृत्ति समाज की बौद्धिक क्षमता को कमजोर करती है और संवाद की संस्कृति को नष्ट करती है। लोकतंत्र केवल मतदान का नाम नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है–संवाद, सहिष्णुता और असहमति का सम्मान। यदि समाज में केवल एक ही विचार को स्वीकार किया जाए और बाकी सभी विचारों को दबा दिया जाए, तो वह लोकतंत्र नहीं, बल्कि विचारों का एकाधिकार बन जाएगा। स्वस्थ लोकतंत्र वही है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने और दूसरों की बात सुनने का समान अवसर मिले।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि दुनिया के अधिकांश बड़े परिवर्तन विचारों के टकराव से ही जन्मे हैं। विज्ञान में नई खोजें इसलिए संभव हुईं क्योंकि वैज्ञानिकों ने स्थापित मान्यताओं पर प्रश्न उठाए। सामाजिक सुधार इसलिए हुए क्योंकि कुछ लोगों ने प्रचलित कुरीतियों का विरोध करने का साहस दिखाया। साहित्य और कला इसलिए समृद्ध हुए क्योंकि रचनाकारों ने नए दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। यदि हर व्यक्ति केवल प्रचलित विचारों का अनुसरण करता रहता, तो समाज कभी आगे नहीं बढ़ पाता। मतभेद हमें यह भी सिखाते हैं कि सत्य केवल हमारी सोच तक सीमित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति अपने अनुभव, परिवेश और परिस्थितियों के आधार पर दुनिया को देखता है। इसलिए किसी विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। जब हम दूसरों की बात धैर्यपूर्वक सुनते हैं, तब हमारी सोच व्यापक होती है और निर्णय अधिक संतुलित बनते हैं। यही बौद्धिक परिपक्वता का लक्षण है। परिवार इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। एक ही घर में माता-पिता, बच्चे और बुजुर्ग कई विषयों पर अलग-अलग राय रखते हैं। यदि हर मतभेद को झगड़े में बदल दिया जाए, तो परिवार टूट जाएगा। लेकिन यदि सभी एक-दूसरे की बात सम्मानपूर्वक सुनें और सामंजस्य का मार्ग अपनाएँ, तो वही परिवार प्रेम और विश्वास का केंद्र बन जाता है। यही सिद्धांत समाज और राष्ट्र पर भी समान रूप से लागू होता है। आज दुर्भाग्य से विचारों की असहमति को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। राजनीतिक मतभेद सामाजिक संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं। धर्म, जाति, भाषा और विचारधारा के आधार पर लोग एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देखने लगे हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। विचारों की लड़ाई तर्क से लड़ी जानी चाहिए, व्यक्ति पर आक्रमण करके नहीं। एक परिपक्व समाज की पहचान यह है कि वह आलोचना को भी विकास का माध्यम मानता है। रचनात्मक आलोचना कमियों को उजागर करती है और सुधार का अवसर देती है। जो व्यक्ति या व्यवस्था आलोचना से डरती है, वह धीरे-धीरे आत्ममुग्ध होकर अपनी कमजोरियों को पहचानने की क्षमता खो देती है। इसलिए असहमति को विरोध नहीं, बल्कि सुधार का अवसर समझना चाहिए।

भारतीय संस्कृति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे विचारों पर आधारित रही है। यहाँ विभिन्न दर्शन, परंपराएँ और मान्यताएँ सदियों तक साथ-साथ विकसित हुईं। यही हमारी सांस्कृतिक शक्ति रही है। विविधता में एकता केवल नारा नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा है। यदि हम इस परंपरा को जीवित रखना चाहते हैं, तो हमें असहमति का सम्मान करना सीखना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बच्चों और युवाओं को केवल अपनी बात कहना ही नहीं, बल्कि दूसरों की बात सुनना भी सिखाएँ। विद्यालयों, परिवारों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। सोशल मीडिया पर भी संयमित भाषा, तथ्यपूर्ण चर्चा और शालीन व्यवहार को प्रोत्साहित करना होगा। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन संवाद टूट जाना सबसे बड़ा संकट है।

अंततः, समाज की मजबूती समान विचारों से नहीं, बल्कि विविध विचारों के सम्मान से आती है। जब प्रत्येक व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसकी आवाज़ सुनी जा रही है और उसके विचारों का सम्मान किया जा रहा है, तब समाज में विश्वास, भाईचारा और सहयोग की भावना विकसित होती है। यही विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। एक स्वस्थ समाज वही है, जहाँ विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन दिल जुड़े रहते हैं; जहाँ बहस होती है, लेकिन वैमनस्य नहीं; जहाँ असहमति होती है, लेकिन सम्मान बना रहता है। क्योंकि मतभेद विकास का मार्ग खोलते हैं, जबकि मनभेद समाज को विभाजन की ओर ले जाते हैं।

निकाय-पंचायत चुनाव पर सरकार की तैयारी पूरीः यूडीएच मंत्री खर्रा

फैसला निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग के हाथ में; कांग्रेस पर साधा निशाना

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में लंबे समय से लंबित नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर सियासत एक बार फिर तेज हो गई है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने साफ किया है कि राज्य सरकार अपने स्तर पर चुनाव से जुड़ी सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर चुकी है। अब चुनाव कार्यक्रम घोषित करना राज्य निर्वाचन आयोग और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया पर निर्भर है। उन्होंने विपक्ष पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ कांग्रेस चुनाव में देरी का मुद्दा उठा रही है, वहीं दूसरी ओर ओबीसी राजनीतिक आरक्षण भी बनाए रखना चाहती है। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट ने 31 जुलाई तक निकाय और पंचायत चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं होने पर कांग्रेस नेता संयम लोढ़ा ने अवमानना याचिका दायर की है, जिसमें राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए यूडीएच मंत्री ने कहा कि सरकार ने परिसीमन और पुनर्सीमांकन का कार्य मार्च 2026 में ही पूरा कर दिया था। सरकार के स्तर पर अब कोई लंबित प्रक्रिया नहीं बची है। यूडीएच मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय निकायों में ओबीसी को राजनीतिक आरक्षण देने से पहले ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। इसके तहत वास्तविक जनसंख्या, स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग की स्थिति और उनके प्रतिनिधित्व का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग इसी आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

चुनाव की चाबी अब निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग के पास

खर्रा ने कहा कि संविधान के अनुसार निकाय और पंचायत चुनाव कराने का अधिकार राज्य निर्वाचन आयोग के पास है। वहीं ओबीसी को राजनीतिक आरक्षण देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी करना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की जिम्मेदारी है। ऐसे में चुनाव की अगली प्रक्रिया दोनों आयोगों के बीच समन्वय पर निर्भर करेगी।

पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट तैयार होने पर जल्द होगा चुनाव

यूडीएच मंत्री ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला साल 2022-23 में आया था, जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। अगर कांग्रेस गंभीर होती तो उसी समय राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया शुरू कर सकती थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद इस विषय को प्राथमिकता दी गई और आयोग का गठन कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कराई गई।

खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को जल्द से जल्द फील्ड वेरिफिकेशन पूरा कर अंतिम रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जैसे ही यह रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को मिलेगी, ओबीसी राजनीतिक आरक्षण पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और उसके बाद निकाय एवं पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

आंकड़ों में विसंगतियों से बढ़ी देरी

खर्रा ने बताया कि आयोग को स्थानीय स्तर से जो आंकड़े प्राप्त हुए थे, उनके सत्यापन के दौरान कई विसंगतियां सामने आई। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन के दौरान कई सूचनाएं वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती मिलीं। इसी कारण अंतिम रिपोर्ट तैयार करने में अपेक्षा से अधिक समय लग गया। उन्होंने कहा कि अब आयोग को निर्देश दिए गए हैं कि वह जल्द से जल्द फील्ड सत्यापन पूरा कर ट्रिपल टेस्ट के अनुरूप अंतिम रिपोर्ट तैयार करे, ताकि चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ सके। मंत्री ने चुनाव में देरी का एक कारण मानव संसाधनों की कमी को भी बताया। उनके अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), सर्वेक्षण और अन्य प्रशासनिक कार्य एक साथ चलने से आयोग के सामने कर्मचारियों की उपलब्धता चुनौती बनी रही। इसी कारण रिपोर्ट तैयार करने की गति प्रभावित हुई।

उन्होंने कहा कि यह केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इसलिए सरकार चाहती है कि रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक और कानूनी रूप से मजबूत हो, ताकि भविष्य में चुनाव प्रक्रिया किसी न्यायिक विवाद में न फंसे।

चिड़ावा में नकली ऑटो पार्ट्स बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार, 63 डिब्बे नकली पिस्टन ज़ब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा

स्थानीय पुलिस ने बुधवार को झुंझुनू रोड पर चुंगी के पास स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर नामी कंपनियों के नकली मोटरसाइकिल पार्ट्स बेचने के आरोप में एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कंपनियों के नकली पिस्टन पार्ट्स के 63 डिब्बे जब्त किए हैं। यह कार्रवाई कॉपीराइट एक्ट के तहत की गई है। पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली की आई केट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो कंपनी के प्रतिनिधि रामावतार और रामचंद्र ने पुलिस को सूचना दी थी कि झुंझुनू रोड स्थित 'अग्रवाल ब्रदर्स' नाम की दुकान पर होंडा, श्रीराम, उषा, लुक्स टीवीएस, एनजीके और एनआरबी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के नकली पार्ट्स को असली बताकर बेचा जा रहा है। इससे कंपनियों के साथ-साथ सरकार को भी बड़े पैमाने पर राजस्व का नुकसान हो रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन और वृताधिकारी विकास धींधवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस और इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो की टीम ने संयुक्त रूप से अग्रवाल ब्रदर्स दुकान पर दबिश दी। जांच के दौरान दुकान से विभिन्न कंपनियों के नकली मोटरसाइकिल

पिस्टन पार्ट्स के 63 डिब्बे बरामद हुए। पुलिस ने नकली सामान को जब्त कर दुकानदार आशुतोष (32) पुत्र विनोद कुमार, निवासी वार्ड नंबर 16 (सेवन ज्वैलर्स स्कूल के पास, चिड़ावा) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक बलबीर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक प्रताप कुमार, कांस्टेबल विकास कुमार (158), पिंटू (आरटी 1665) और हाईवे टू के चालक कांस्टेबल भूपेन्द्र (1079) शामिल रहे।

पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को मिला मालिकाना हक, चिड़ावा नगरपालिका में पट्टों का हुआ वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा नगरपालिका परिसर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को पट्टों स्ट्रीट वेंडर्स का वितरण किया गया। इस अवसर पर योजना से जुड़े पात्र लाभार्थियों को उनके पट्टे सौंपे गए। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य आमजन को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है तथा पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जा रहा है। पट्टा वितरण कार्यक्रम में चिड़ावा जन कल्याण समिति के अध्यक्ष रविकांत शर्मा, भाजपा नगर उपाध्यक्ष पवन शर्मा नवहाल तथा भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता नवनीत शर्मा ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। इसके माध्यम से पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने पट्टे प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की और सरकार तथा नगरपालिका प्रशासन का आभार जताया। इस मौके पर नगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहें।

एचसीएल के सीएमडी अनुपम मिश्र ने किया केसीसी का दौरा, कर्मचारी हितों को प्राथमिकता देने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अनुपम मिश्र ने मंगलवार को खेतड़ीनगर स्थित केसीसी इकाई का दौरा किया। कॉपर क्लब में केसीसी इकाई प्रमुख पीडी बोहरा एवं खनन निदेशक जीडी गुप्ता ने साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान सीएमडी ने केसीसी प्लांट एवं माइनिंग क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा प्रशासनिक भवन में अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्पादन, सुरक्षा और कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्पादन और लाभ के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी लंबे समय से कंपनी के साथ कार्य कर रहे कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त नीति बनाई जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर सीएमडी अनुपम मिश्र ने केसीसी में नए सॉफ्टवेयर एवं नई क्रेन का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में विपिन शर्मा, एस. गुहा, वी.के. इंद्रा, राजेश, अभिषेक पारीक, मनीष गावेल, घनश्याम दास, विनय त्यागी, मयुख चटर्जी, आनंद पांडे, नागेश राजपुरोहित, भूपेश बम्बोरिया, मुन्नालाल जैदिया, सुधा शर्मा, श्रद्धा भटनागर, पार्वती देवी, बिद्दूराम सैनी, श्यामलाल सैनी, ओमप्रकाश लाम्बा, मनोज लम्बोरिया, बाबूलाल सैनी सहित एचसीएल के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गोठड़ा ग्राम पंचायत ने सौंपा 10 सूत्रीय मांग पत्र

दौरे के दौरान गोठड़ा ग्राम पंचायत की ओर से समाजसेवी हरिराम गुर्जर के नेतृत्व में सीएमडी को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र में एचसीएल की भर्तियों में गोठड़ा के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें चालू कराने, टेलिंग डैम से उड़ने वाली जहरीली धूल पर नियंत्रण के लिए नियमित छिड़काव कराने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, बंद पड़े जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने, टाउनशिप क्षेत्र की सड़कों के सुधार, बरसात में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, सीएसआर मद से ग्राम पंचायत को बजट उपलब्ध कराने तथा टेलिंग डैम पर स्थायी सुरक्षा गार्ड तैनात करने सहित विभिन्न मांगें रखी गईं।

लापरवाही पर बड़ी कार्रवाईः पिलानी की मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुमन निलंबित, बीकानेर रहेगा मुख्यालय

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

राज्य सरकार ने प्रशासनिक शिथिलता और नियमों के उल्लंघन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पिलानी (झुंझुनू) की मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) सुमन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के तहत शुरू की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के अंतर्गत की गई है। संयुक्त शासन सचिव महेंद्र कुमार खींची (आईएएस) द्वारा राज्यपाल की आज्ञा से जारी आदेश के अनुसार, नियमों के नियम-13 (द्व) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निलंबन आदेश जारी किया गया है।आदेश के मुताबिक, निलंबन काल के दौरान सुमन का मुख्यालय कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर रहेगा। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा। मुख्यालय बदलने और इस कड़ी कार्रवाई से शिक्षा विभाग के प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू - देवताओं की घाटी

कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर- यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा- यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हजारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर- एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली- साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर- यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली- स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास- यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड- यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है- प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

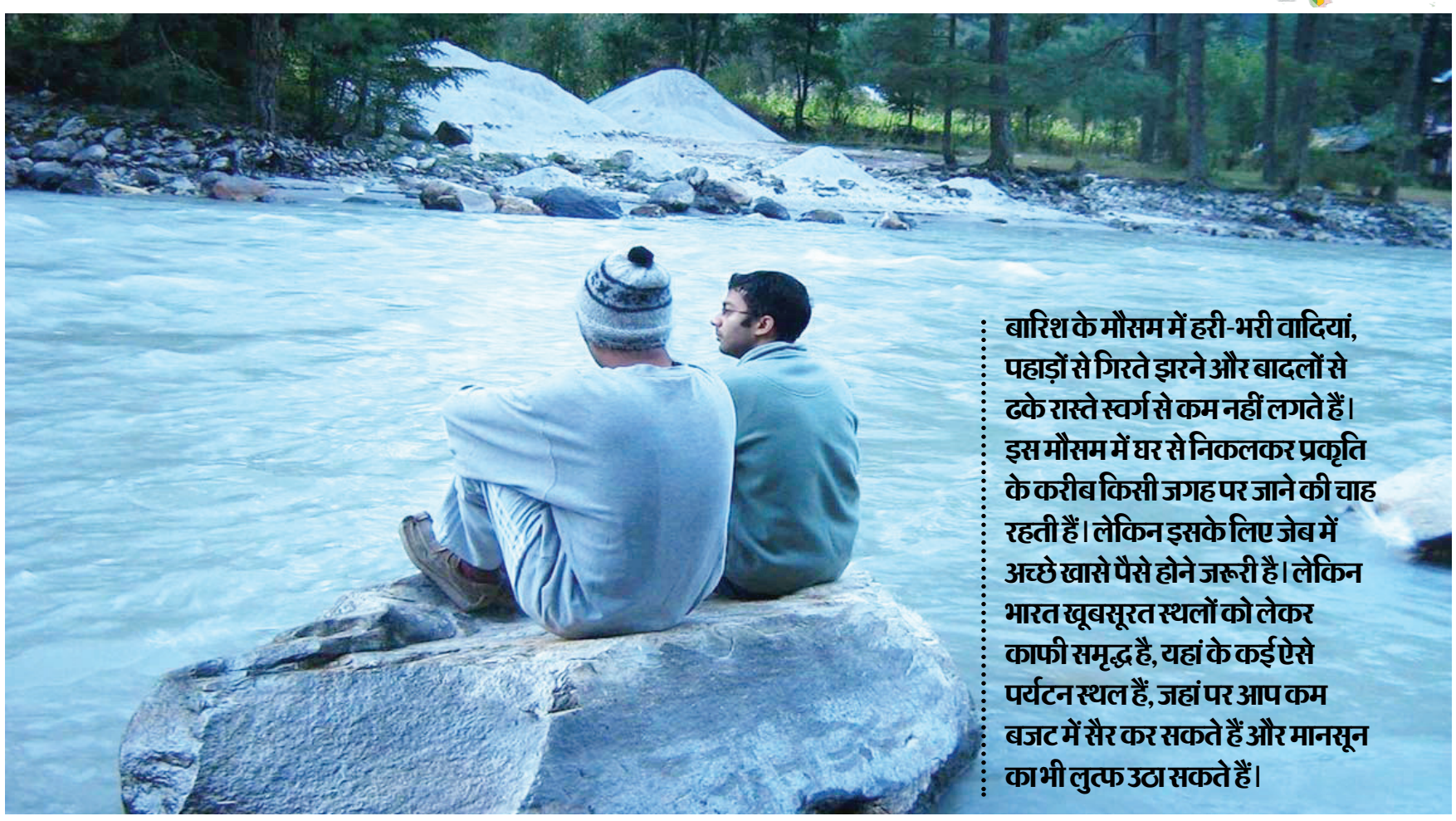

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

और बारिश का मजा ले सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है 'सोने की घाटी') एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. जोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर

झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट - यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय - मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

नगर कांग्रेस ने 'बेटी के जन्म पर उमंग उत्सव' के तहत नीमराना में किया बच्चियों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए नगर कांग्रेस कमेटी नीमराना द्वारा मंगलवार को नगर पालिका क्षेत्र में 'बेटी जन्मोत्सव - उमंग उत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी ने किया। इस अवसर पर दो नवजात बच्चियों को फूलमाला पहनाकर, खिलौने, मोमेंटो और मिठाइयां भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली बच्चियों में ईशानी, पुत्री नीरज व कोमल देवी, दादा ओमप्रकाश व दादी मीना देवी तथा खुशी, पुत्री सोनू यादव व काव्या देवी, दादा कैलाश चंद व दादी शीला देवी शामिल रहीं। इस अवसर पर जिला ओबीसी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, कैप्टन राजवीर यादव, संदीप उमराव, संजय कुमार सैनी, मीडिया प्रभारी प्रशांत कुमार शर्मा, देवेंद्र जोशी, मौजीराम यादव, संजय कुमार, कुंदन सिंहपुरिया रामपत यादव, कालूराम मास्टर, संतोष देवी, मधु एवं सुप्रिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बेटियों को बोझ नहीं बल्कि गर्व और सम्मान का प्रतीक मानकर उनके जन्म को उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए। नगर कांग्रेस की यह पहल समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देगी।

खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की शिष्टाचार भेंट

यमुना जल समझौते के लिए जताया आभार, खेतड़ी के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर ने बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विधायक ने खेतड़ी सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और जीवनदायिनी माने जा रहे यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री का खेतड़ी क्षेत्र की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। विधायक धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि यमुना जल समझौता शेखावाटी क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे भविष्य में पेयजल और सिंचाई की दिशा में बड़े सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की जनता की भावनाओं से अवगत कराते हुए इस महत्वपूर्ण पहल के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा आगामी विकास योजनाओं को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। विधायक ने क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकताओं और विकास से जुड़े मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के समग्र विकास के साथ-साथ खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विधायक धर्मपाल गुर्जर ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खेतड़ी विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और क्षेत्र में जनहित की योजनाओं को गति मिलेगी।

सांवलोद में मुख्य रास्ते पर पानी भरने से हुई समस्या

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सावलोद गांव में बारिश के बाद मुख्य सड़क पर पानी भर गया है। सड़क पर जलभराव होने से ग्रामीणों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और पत्थर हैं, लेकिन पानी भर जाने से वे दिखाई नहीं दे रहे। ऐसे में बाइक और छोटे वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है। कई लोग पानी में वाहन फिसलने से गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। गांव के लोगों को रोजमर्रा के काम, स्कूल, बाजार और अस्पताल जाने में दिक्कत हो रही है। मुख्य सड़क से निकलना मुश्किल होने के कारण लोगों को दूसरे रास्तों से होकर जाना पड़ रहा है, लेकिन वहां भी कीचड़ और दलदल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि हर बारिश में यही समस्या खड़ी हो जाती है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द पानी निकासी की व्यवस्था कर सड़क को ठीक कराने की मांग की है।

मेघवाल समाज ने धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग, एचसीएल सीएमडी को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अनुपम मिश्र के खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (केसीसी) दौरे के दौरान मेघवाल समाज की ओर से धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने की मांग उठाई गई। मेघवाल समाज संघ के जिला उपाध्यक्ष व खेतड़ी तहसील अध्यक्ष राजकुमार बाडेटिया ने सीएमडी को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स एवं खेतड़ीनगर क्षेत्र में मेघवाल समाज के लगभग 30 प्रतिशत सदस्य स्थायी एवं अस्थायी रूप से कार्यरत हैं। समाज के अनेक परिवार वर्षों से यहां निवास कर रहे हैं और सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।समाज ने कहा कि वर्तमान में उनके पास सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों, सामुदायिक बैठकों, विवाह समारोह तथा अन्य जनहित गतिविधियों के आयोजन के लिए स्वयं की धर्मशाला नहीं है। इसके अभाव में विभिन्न आयोजनों के दौरान काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि खेतड़ीनगर में अन्य कई समाजों को पहले ही धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। ऐसे में समानता और सामाजिक समरसता की भावना को ध्यान में रखते हुए मेघवाल समाज को भी धर्मशाला निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि आवंटित की जाए। समाज के प्रतिनिधियों ने सीएमडी से आग्रह किया कि मेघवाल समाज की जनसंख्या एवं आवश्यकताओं को देखते हुए शीघ्र भूमि आवंटन की कार्रवाई की जाए, ताकि समाज को सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों के संचालन के लिए स्थायी सुविधा उपलब्ध हो सके।

जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने मलसीसर उप जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

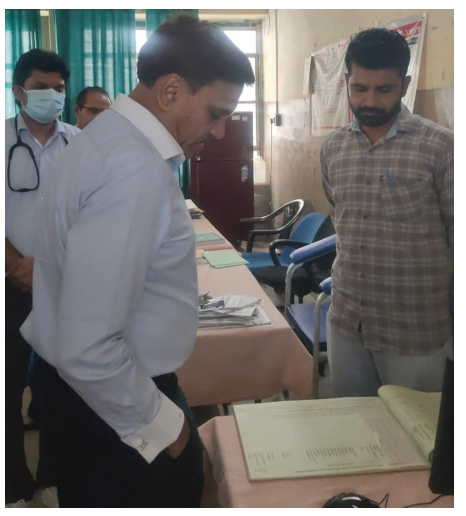

जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बुधवार को मलसीसर उप जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने पंजीकरण काउंटर, दवा वितरण केंद्र, ओपीडी, आईपीडी तथा विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तथा अस्पताल की सभी व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। डॉ. गर्ग ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित अस्पताल मरीजों के बेहतर उपचार और विश्वास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को अधिक से अधिक आभा आईडी बनाने, अंगदान के प्रति आमजन को जागरूक कर संकल्प पत्र भरवाने, दवाओं एवं जांचों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मां योजना के तहत अधिक से अधिक पैकेज बुक करने के निर्देश दिए। साथ ही एचपीवी वैक्सीन का नियमित रूप से टीकाकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मलसीसर उप जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. सतवीर सिंह सहित चिकित्सक एवं चिकित्सा स्टाफ उपस्थित रहें।

मंडावा के पाटोदा में ग्रामीण सेवा शिविर बना नवाचार का केंद्र, खिलौना बैंक का शुभारंभ और प्रवेश उत्सव ने जीता सभी का मन

भामाशाहों ने बच्चों को भेंट किए खिलौने व शिक्षण सामग्री, आंगनबाड़ी में बालिका 'रावी' का कराया गया प्रवेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पंचायत समिति मंडावा की ग्राम पंचायत पाटोदा में बुधवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए 'खिलौना बैंक' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र में प्रवेश उत्सव भी आयोजित किया गया, जिसमें बालिका रावी का प्रवेश कराकर शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। शिविर में उपखंड अधिकारी विश्वामित्र मीणा के मुख्य आतिथ्य में खिलौना बैंक का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस दौरान बिसाऊ तहसीलदार शेर सिंह, पंचायत समिति के प्रतिनिधि राकेश जानू, बाल विकास परियोजना अधिकारी सावित्री कृष्णिया, पुष्पा राठौड़, मंजू ममता,शिक्षा विभाग से राजेन्द्र सिंह तथा ग्राम सरपंच राजपाल सैनी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के भामाशाहों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खिलौने, शैक्षणिक सामग्री एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं भेंट कीं। अधिकारियों ने बताया कि खिलौना बैंक का उद्देश्य बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर उपलब्ध कराना, उनकी रचनात्मकता का विकास करना तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को अधिक आकर्षक एवं बाल हितैषी बनाना है। प्रवेश उत्सव के तहत आंगनबाड़ी में नवप्रवेशी बालिका रावी का स्वागत कर उसे अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी एवं विद्यालय भेजने का आह्वान करते हुए कहा कि 'शिक्षा ही सशक्त भविष्य की कुंजी है।' ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया। खिलौना बैंक जैसी अभिनव पहल और प्रवेश उत्सव ने शिविर को विशेष पहचान दिलाई तथा ग्रामीणों और भामाशाहों ने इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

गुसाईसर की बेटी दिशा ने आईआईटी कानपुर में पाया प्रवेश, मेहनत और लगन से रचा सफलता का नया अध्याय

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर रतनगढ़ तहसील के गुसाईसर गांव की मूल निवासी दिशा शर्मा (चोटिया) ने देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल जेईई मेन एवं जेईई एडवांस में शानदार सफलता हासिल कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के चार वर्षीय बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश की योग्यता अर्जित की है। दिशा की इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज और शेखावाटी क्षेत्र का गौरव बढ़ा है। दिशा, स्वर्गीय महावीर प्रसाद चोटिया एवं स्वर्गीय गीता देवी की सुपौत्री तथा कविता शर्मा और अनिल कुमार शर्मा की पुत्री हैं। उनका परिवार वर्तमान में गुवाहाटी (असम) में निवास करता है। उनके पिता अनिल कुमार शर्मा असम मानवाधिकार आयोग के जांच प्रकोष्ठ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। दिशा बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा के प्रत्येक चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हमेशा शीर्ष स्थान प्राप्त किया। पढ़ाई के प्रति अनुशासन, कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आईआईटी कानपुर तक पहुंचाया। दिशा की इस सफलता पर गुसाईसर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सामाजिक संगठनों, परिजनों और शुभचिंतकों ने इसे समाज की बेटियों के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दिशा शर्मा की सफलता यह साबित करती है कि सफलता किसी शहर, संसाधन या परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती, बल्कि मेहनत, लगन और मजबूत इरादों का परिणाम होती है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे पाने का जुनून हो, तो कोई भी सपना असंभव नहीं रहता। दिशा की उपलब्धि उन हजारों युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें साकार करने का साहस रखते हैं। यह सफलता संदेश देती है कि शिक्षा ही वह शक्ति है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज–तीनों का भविष्य बदल सकती है।

45 लाख में बना नाला, महीने भर में बन गया हादसों का गड्ढा

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सीकर-लोहारू स्टेट हाईवे पर सूरजगढ़ क्षेत्र के कासनी गांव में आरएसआरडीसी द्वारा करीब 45 लाख रुपये की लागत से बनाया गया नाला महज एक महीने में ही गुणवत्ता की पोल खोल गया। सड़क किनारे बने नाले के तीनों चैंबर धंसने से गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो अब वाहन चालकों और राहगीरों के लिए जानलेवा खतरा बन चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थान पर लंबे समय से जलभराव की समस्या थी, जिसके समाधान के लिए कई बार 181 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद विभाग ने नाला निर्माण करवाया, लेकिन निर्माण के कुछ ही दिनों बाद इसकी स्थिति खराब हो गई। हाईवे पर रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, ऐसे में ये गड्ढे बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। ग्रामीणों ने आरएसआरडीसी और ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तुरंत मरम्मत की मांग की है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि 'नाला नहीं, मिट्टी धंसी है ', जिसे जल्द ठीक कर दिया जाएगा। सवाल यह है कि 45 लाख के निर्माण में इतनी जल्दी आई खामी की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी कलां में महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराध रोकथाम पर सेमिनार आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी कलां में बुधवार को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम एवं डिजिटल जागरूकता विषय पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को साइबर ठगी, ऑनलाइन अपराध, महिला सुरक्षा और कानूनी सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस विभाग के एएसआई शीशराम ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक होना सबसे प्रभावी सुरक्षा उपाय है। उन्होंने बताया कि अनजान लिंक पर क्लिक करने, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी अथवा पासवर्ड किसी से साझा नहीं करना चाहिए। सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक समाज ही साइबर अपराधियों के हौसलों को कमजोर कर सकता है। एएसआई शीशराम ने छात्राओं को साइबर क्राइम हेल्पलाइन, पुलिस हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन तथा चाइल्ड हेल्पलाइन सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में इन सेवाओं का तत्काल उपयोग करना चाहिए।

महिला पुलिसकर्मी रीतू ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मविश्वास, आत्मरक्षा तथा कानून द्वारा प्रदत्त अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की प्रताड़ना, धमकी या ऑनलाइन उत्पीड़न की घटना होने पर बिना डर के परिजनों और पुलिस को तुरंत सूचित करें। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश चंद्र ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं को सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने पुलिस विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक डॉ. हरद्वारी लाल ने अपने संबोधन में साइबर अपराध से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताते हुए कहा कि डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग समझदारी और सतर्कता के साथ करना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया तथा कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया। इसी अवसर पर विद्यालय में स्थानांतरण के बाद विज्ञान विषय की वरिष्ठ अध्यापिका रेखा सैनी तथा गणित विषय की वरिष्ठ अध्यापिका योग्यता यादव ने कार्यग्रहण किया। विद्यालय परिवार ने दोनों शिक्षिकाओं का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में व्याख्याता मुकेश कुमार, सोनू कुमार, वरिष्ठ अध्यापक महेंद्र कुमार सरोज, डॉ. हरद्वारी लाल, मनीष, अंकित, नरेश, संगीता, उर्मिला सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

लक्ष्मणगढ़ में श्री सांवरिया सेठ फास्ट फूड का हुआ भव्य शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां चौपड़ बाजार से मुरलीमनोहर मंदिर के रास्ते पर मुरारका कटला के सामने बैंक आफ बड़ौदा वाली गली के कॉर्नर पर बुधवार को प्रातः श्री सांवरिया सेठ फास्ट फूड का भव्य शुभारंभ समारोह आयोजित हुआ। आयोजित कार्यक्रम में जाने माने उधोगपति भामाशाह समाजसेवी व महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व शहर भाजपा अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी वरिष्ठ एडवोकेट फुलचंद थालौड़ बगड़ी, एडवोकेट संजय ढोलास, व सामाजिक कार्यकर्ता मख्खन ढोलास ने विधिवत फीता काट कर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर प्रदीप भाटी ने बताया कि श्री सांवरिया सेठ फास्ट फूड पर शुद्ध, ताजा, लजीज, स्वादिष्ट, व्यंजन हर समय तैयार मिलेंगे तथा ग्राहकों की आवश्यकतानुसार व्यंजनों को तैयार किया जायेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन, पारिवारिक सदस्य व व्यापारी मौजूद थे। प्रतिष्ठान की ओर से प्रोपराइटर प्रदीप भाटी ने आगंतुकों का स्वागत कर आभार जताया।

तिरंगे में लिपटा लौटा मंडावा का वीर सपूतः पूरे सैन्य सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुए एयरफोर्स जवान आर्यन झाझड़िया

चेन्नई में ड्यूटी के दौरान हुआ निधन, मंडावा से पीपल का बास तक निकली 8 किलोमीटर लंबी तिरंगा बाइक यात्रा

हजारों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । झुंझुनूं जिले के मंडावा उपखंड क्षेत्र के

पीपल का बास गांव के भारतीय वायुसेना के जवान आर्यन झाझड़िया बुधवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हो गए। चेन्नई में ड्यूटी के दौरान उनका आकस्मिक निधन होने की खबर से पूरे मंडावा क्षेत्र सहित झुंझुनूं जिले में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को जब तिरंगे में लिपटा उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा तो पूरा गांव गम और गर्व की भावनाओं से भर उठा। वीर जवान की अंतिम यात्रा में हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर आंख नम थी और हर जुबान पर 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'आर्यन अमर रहे' के गगनभेदी नारे गूंज रहे थे। देशभक्ति के इस अद्भुत माहौल ने हर किसी को भावुक कर दिया।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी अंतिम सलामी

जयपुर से पहुंची भारतीय वायुसेना की विशेष टुकड़ी ने सैन्य परंपराओं के अनुरूप आर्यन झाझड़िया को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अंतिम सलामी के दौरान वातावरण बेहद भावुक हो गया। सैन्य परंपरा के अनुसार आर्यन के पार्थिव शरीर पर लिपटा राष्ट्रीय ध्वज सम्मानपूर्वक उनके चाचा के पुत्र सौरभ को सौंपा गया। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गईं। इसके बाद पूरे सैन्य सम्मान और राजकीय गरिमा के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

श्रद्धांजलि देने पहुंचे प्रमुख जनप्रतिनिधि

मंडावा विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष रीटा चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी, पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, भाजपा नेता प्यारेलाल ढूकिया, पूर्व पालिकाध्यक्ष सज्जन मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, समाजसेवी अमित मीणा प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। वायुसेना वारंट अफसर दुलीचंद, मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर,जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अनिल कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अर्पित किए पुष्पचक्र

वीर जवान को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सैन्य अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

गांव और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की रही बड़ी भागीदारी

हरलाल मोगा,दयानंद ढूकिया, मेहरादासी सरपंच ओमप्रकाश मोगा, पूर्व सरपंच सज्जन पूनिया, मौजास सरपंच मुकेश कुमार, तथा क्षेत्र के अनेक सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी।

मंडावा से पीपल का बास तक निकली 8 किलोमीटर लंबी तिरंगा बाइक यात्रा

आर्यन झाझड़िया के पार्थिव शरीर के मंडावा पहुंचते ही युवाओं ने अपने वीर सपूत को श्रद्धांजलि देने के लिए मंडावा से पीपल का बास तक लगभग 8 किलोमीटर लंबी तिरंगा बाइक यात्रा निकाली। सैकड़ों युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयघोष के साथ अंतिम यात्रा में भाग लिया। पूरे मार्ग पर ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर अपने वीर बेटे का स्वागत किया। महिलाओं ने घरों की चौखट से पुष्प अर्पित किए तो बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर सलामी दी। पूरा रास्ता राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

परिवार का इकलौता बेटा था आर्यन

22 वर्षीय आर्यन झाझड़िया अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उनके पिता भागीरथ झाझड़िया, माता सरोज देवी तथा बहन पूनम का रो-रोकर बुरा हाल था। अंतिम विदाई के समय परिवार के विलाप ने हर किसी की आंखें नम कर दीं। पूरे क्षेत्र ने दी भावभीनी विदाई अंतिम यात्रा के दौरान हजारों ग्रामीणों ने अपने घरों से निकलकर वीर जवान को अंतिम प्रणाम किया। युवाओं ने तिरंगा हाथ में लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। पूरे क्षेत्र में एक ही स्वर सुनाई दे रहा था।

इनका कहना है-

'आर्यन झाझड़िया ने देश की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। पूरा क्षेत्र उनके परिवार के साथ खड़ा है।

'रीटा चौधरी कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं विधायक मंडावा

'भारतीय वायुसेना के जवान को सैन्य परंपराओं के अनुरूप पूर्ण सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।'

अनिल कुमार जिला सैनिक कल्याण अधिकारी

'आर्यन का बलिदान सदैव युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

'हर्षिनी कुल्हरी भाजपा जिला अध्यक्ष

'देश ने एक बहादुर सपूत खोया है, लेकिन आर्यन की शहादत सदैव अमर रहेगी।

'नरेन्द्र खीचड़ पूर्व सांसद

दिल्ली राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष बने राजस्थान के डॉ. ओम प्रकाश व्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान के सीकर जिले के श्रीमाधोपुर निवासी डॉ. ओम प्रकाश व्यास को दिल्ली राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को बाल अधिकारों और मानवाधिकार संरक्षण के क्षेत्र में लंबे अनुभव की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डॉ. व्यास इससे पहले राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली में जॉइंट रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत रहे हैं। उन्होंने विधि (लॉ) में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है तथा मानवाधिकार के क्षेत्र में वर्षों तक उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग में कार्यकाल के दौरान उन्होंने मानवाधिकार से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अभियान चलाकर नक्सलियों की गोली बारी के बीच सैकड़ों बाल श्रमिकों को बंधन से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका

है। डॉ. व्यास संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न मंचों पर आमंत्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे देश के विभिन्न राज्यों में पुलिस अधिकारियों, जेल अधिकारियों तथा मानवाधिकार संस्थाओं को कानून और मानवाधिकार विषय पर प्रशिक्षण भी प्रदान करते रहे हैं।उनकी नियुक्ति से बाल अधिकारों के संरक्षण और बच्चों के हितों से जुड़े मामलों में आयोग की कार्यक्षमता को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मासूम भावेश का 26 दिन बाद भी सुराग नहीं, संघर्ष कमिटी के प्रमुख लोग पुलिस महानिरीक्षक डॉ राहुल प्रकाश से मिले

12 जून को निमोद पहाड़ी पर हिंगलाज माता के दर्शन करने मां के साथ गया था 5 वर्षीय मासूम भावेश

एनडीआरएफ आईटीबीपी लगाने एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराने की रखी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । 12 जून को निमोद पहाड़ी स्थित हिंगलाज माता मंदिर से लापता हुए 5 वर्षीय भावेश का 26 दिन बाद भी सुराग नहीं लगा लगा है। बुधवार को भावेश वापस लाओ संघर्ष कमेंटी के प्रमुख लोगों ने जयपुर रेंज आईजीपी डॉ राहुल प्रकाश से मुलाकात कर भावेश को जल्द से जल्द

खोज निकालने की मांग उठाई। लगभग 35 मिनट की वार्ता में संघर्ष कमेंटी ने कई तथ्यों पर बात रखी। पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह तंवर, युवा नेता रवींद्र सिंह पोंख, आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा,कर्नल प्रताप सिंह शेखावत, गब्बर सिंह दुर्गा सिंह, ककराना, महेंद्र सिंह शेखावत सहित कई वरिष्ठ लोगों ने पुलिस महानिरीक्षक से निमोद की पहाड़ियों में स्पेशल सर्च ऑपरेशन में एनडीआरएफ आईटीबीपी बीएसएफ के जवान लगाने की मांग उठाई। कमेंटी के लोगों ने स्पेशल संसाधन लगाने के लिए कहा जिस पर आईजीपी ने भावेश प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उन्होंने तत्काल पुलिस अधीक्षक सीकर को इस दिशा में अब ओर तत्परता दिखाने के निर्देश दिए।। गौरतलब है कि पिछले 26 दिन से 9 थानों की पुलिस भावेश को खोजने के लिए सुबह से सायं तक दौड़ रही पर अब तक पुलिस के हाथ खाली है। भावेश झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी तहसील के ककराना गांव का बेटा है और नीमकाथाना के निमोद गांव का भांजा है।वो अपनी माँ के साथ ननिहाल आया था। लगातार भावेश को खोजने के लिए आंदोलन चल रहे हैं।आम जन में इस घटना को लेकर भय ओर गुस्सा है। पुलिस के लिए भी यह बड़ी चुनौती है।

महिला सोनोलॉजिस्ट की कमी से सुरक्षित मातृत्व और नारी गरिमा पर संकटः मुकेश सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के प्रदेश सचिव एवं सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषक मुकेश सैनी ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में महिला सोनोलॉजिस्ट (रेडियोलॉजिस्ट) की कमी को गंभीर चिंता का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य सेवाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा, निजता और सुरक्षित मातृत्व से जुड़ा संवेदनशील विषय है। मुकेश सैनी ने जारी बयान में कहा कि गर्भावस्था की निगरानी, भ्रूण के स्वास्थ्य का आकलन और स्त्री रोगों के निदान में सोनोग्राफी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन प्रदेश के कई जिला, उप-जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में महिला विशेषज्ञों की कमी के कारण महिलाओं को पुरुष चिकित्सकों से सोनोग्राफी करानी पड़ती है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की कई महिलाएं सामाजिक संकोच के कारण आवश्यक जांच तक टाल देती हैं, जिससे गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं का समय पर पता नहीं चल पाता। उन्होंने कहा कि महिलाओं की संवेदनशील चिकित्सकीय जांच के दौरान उनकी निजता और सम्मान की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई देशों में पुरुष चिकित्सक द्वारा जांच किए जाने की स्थिति में महिला नर्स या स्वास्थ्यकर्मी की उपस्थिति अनिवार्य होती है। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में भी ऐसी व्यवस्था सख्ती से लागू की जानी चाहिए।

मुकेश सैनी ने राज्य सरकार से मांग की कि प्रत्येक जिला और ब्लॉक स्तर के सरकारी अस्पताल में महिला रेडियोलॉजिस्ट या सोनोलॉजिस्ट के रिक्त पद शीघ्र भरे जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देने वाली महिला विशेषज्ञों को विशेष भत्ता, सुरक्षित आवास और पदोन्नति में प्रोत्साहन जैसी सुविधाएं दी जाएं। साथ ही जब तक पद नहीं भरते, तब तक प्रत्येक सोनोग्राफी जांच के दौरान महिला नर्सिंग अधिकारी या महिला स्वास्थ्यकर्मी की उपस्थिति अनिवार्य की जाए।उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाएं बनाने से नहीं, बल्कि ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करने से संभव है जहां प्रत्येक महिला बिना किसी भय, संकोच और असहजता के सम्मानजनक वातावरण में उपचार प्राप्त कर सके। महिला सोनोलॉजिस्ट की पर्याप्त नियुक्ति महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकार और सुरक्षित मातृत्व की दिशा में आवश्यक कदम है।

शुभ ग्रह सोसाइटी में 9-10 जुलाई को होगा श्री विश्वेश्वर महादेव मंदिर का 5वां वार्षिक जागरण एवं भंडारा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । शुभ ग्रह सोसाइटी स्थित श्री विश्वेश्वर महादेव मंदिर में 5वां वार्षिक जागरण एवं भंडारे का आयोजन 9 और 10 जुलाई को किया जाएगा। सोसाइटी के अध्यक्ष राकेश यादव और महेंद्र सिंह ने बताया कि 9 जुलाई को शिवरात्रि के उपलक्ष्य में रात्रि जागरण होगा। इसमें दूरदराज से आए कलाकार बाबा भोलेनाथ का गुणगान करेंगे और भक्तिभाव से समां बांधेंगे। 10 जुलाई को प्रातः 11 बजे विशाल भंडारे का शुभारंभ होगा। भंडारे में प्रेम दीप म्यूजिकल ग्रुप, रेवाड़ी द्वारा शिव महिमा का गुणगान प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं राधा कृष्ण ग्रुप द्वारा आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। झांकियों में शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण, कृष्ण-सुदामा सहित अन्य धार्मिक प्रसंगों को जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

पुत्री की प्रथम पुण्यतिथि पर पिता ने भूतनाथ श्मशान घाट में 61 हजार रुपए किए भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

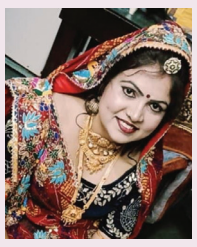

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शंकरलाल खींची ने अपनी पुत्री श्रीमती सुशीला देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर भूतनाथ श्मशान घाट में 61 हजार रुपए भेंट किए हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शंकरलाल खींची, भूतनाथ श्मशान घाट प्रबंध समिति के मंत्री दीनदयाल जोशी सहित प्रबुद्ध जन मौजूद थे। उपस्थित जनों ने दिवंगत पुण्यात्मा श्रीमती सुशीला देवी को श्रद्धांजलि अर्पित अर्पित की ।

पहली ही बारिश में डूबा महम, विकास के दावों पर उठे सवाल

रोहतक रोड पर दो फीट तक भरा पानी, लोगों ने जल निकासी व्यवस्था को बताया नाकाम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रोहतक।

अशोक मेहरा । मानसून की पहली तेज बारिश ने महम शहर में विकास कार्यों और जल निकासी व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी। शहर के प्रमुख रोहतक रोड पर करीब दो फीट तक पानी भर जाने से यातायात बाधित हो गया और राहगीरों व वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर जलभराव के कारण कई स्थानों पर लोगों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ा।

विकास के दावों पर सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकार और प्रशासन द्वारा विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में शहर की सड़कों का तालाब में तब्दील हो जाना इन दावों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों का आरोप है कि जल निकासी व्यवस्था समय पर दुरुस्त नहीं किए जाने के कारण हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है।

विकास रैली के वादों की याद दिलाई

स्थानीय लोगों ने कहा कि 5 अप्रैल 2026 को महम के राजकीय महाविद्यालय में आयोजित विकास रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा क्षेत्र के विकास को लेकर अनेक घोषणाएं की गई थीं। नागरिकों का कहना है कि यदि मूलभूत सुविधाओं, विशेषकर जल निकासी व्यवस्था पर प्रभावी कार्य हुआ होता तो पहली ही बारिश में शहर को इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

स्थायी समाधान की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर की जल निकासी व्यवस्था का तकनीकी सर्वे कराकर स्थायी समाधान किया जाए, ताकि हर वर्ष बरसात के मौसम में लोगों को जलभराव, यातायात बाधा और दुर्घटनाओं के खतरे का सामना न करना पड़े।

नीमराना में पुलिस-खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त कार्रवाई, 150 किलो संदिग्ध पनीर जब्त कर नष्ट कराया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । अधीक्षक वृत्त नीमराना चारुल गुप्ता, आरपीएस के सुपरविजन तथा थानाधिकारी नीमराना राजेश कुमार, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस थाना नीमराना की टीम एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकान्त शर्मा, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोटपूतली- बहरोड़ की संयुक्त टीम ने मिलावटी पनीर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने लगभग 150 किलोग्राम संदिग्ध पनीर जब्त कर उसे नियमानुसार नष्ट कराया ओर पुलिस थाना नीमराना को सूचना प्राप्त हुई कि एक ईको वाहन में संदिग्ध गुणवत्ता का पनीर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने वाहन की जांच की। जांच के दौरान वाहन में रखा पनीर गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकान्त शर्मा ने मौके पर ही पनीर के नमूने लिए और शेष लगभग 150 किलो पनीर को जब्त कर

नियमानुसार नष्ट करवाया। अधिकारियों ने बताया कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त कार्रवाई इस कार्रवाई में पुलिस थाना नीमराना की टीम के साथ खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी- कर्मचारी मौजूद रहे।

सफलता की कहानी: ग्रामीण सेवा शिविर में पाँच परिवारों को मिला पट्टा, वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 ग्राम पंचायत कोलासर तहसील कोलायत में बुधवार को ग्रामीणों के लिए राहत और विश्वास का माध्यम बना। शिविर के दौरान राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियम 157 के अंतर्गत पाँच पृथक पट्टे तैयार कर पात्र लाभार्थियों को वितरित किए गए। शिविर प्रभारी श्री उत्तमचन्द, नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में पट्टों का वितरण किया गया। इस शिविर में श्री गणेशा राम पुत्र उत्तमा राम, गजानंद पुत्र उत्तमा राम, संतोष पत्नी राधेश्याम, लालचंद पुत्र उत्तमा राम तथा इन्द्रचंद पुत्र उत्तमा राम को उनके पृथक पट्टे प्रदान किए गए। लंबे समय से लंबित यह प्रक्रिया शिविर में ही पूरी होने से सभी लाभार्थियों को बड़ी राहत मिली। लाभार्थियों ने बताया कि अब उन्हें भूमि संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा गांव-गांव आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविरों की सराहना करते हुए कहा कि इन शिविरों से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है।

ग्रामीण सेवा शिविर में मिली पशुओं की सुरक्षा की गारंटी, 20 पशुपालकों को मौके पर मिली बीमा पॉलिसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान सरकार के जन कल्याण शिविर के अंतर्गत आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 ग्रामीण पशुपालकों के लिए भी राहत और सुरक्षा का माध्यम बन रहे हैं।पूगल तहसील की ग्राम पंचायत हनुमान नगर में आयोजित शिविर के दौरान पशुपालन विभाग ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 पशुपालकों को तत्काल बीमा पॉलिसियां जारी कर लाभान्वित किया। उपखण्ड अधिकारी दिव्या बिश्नोई ने बताया कि शिविर में पशुपालक शरवती, निरमा, मीरा देवी एवं लीला देवी सहित अन्य पशुपालकों ने अपने पशुओं के बीमा के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। पशुपालन विभाग ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं शिविर में ही पूरी करते हुए मौके पर बीमा पॉलिसियां जारी कर लाभार्थियों को वितरित कीं।विदित है कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत गाय, भैंस एवं ऊंट के लिए प्रति पशु अधिकतम 40 हजार रुपये तथा बकरी एवं भेड़ के लिए प्रति पशु अधिकतम 4 हजार रुपये तक का बीमा सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जाता है। इससे पशुपालकों को आकस्मिक परिस्थितियों में आर्थिक संबल मिलेगा और पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। बीमा पॉलिसी प्राप्त होने पर लाभार्थी पशुपालकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर के माध्यम से उन्हें बिना किसी अतिरिक्त भागदौड़ के योजना का लाभ मिल गया। उन्होंने उपखंड अधिकारी दिव्या बिश्नोई, शिविर प्रभारी एवं तहसीलदार अशोक पारीक, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मुकेश भारती, सहायक विकास अधिकारी हरिराम खांडा, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. कोमल राठौड़, एलएसआई मीना तथा परिचर हरीश कुमार सहित पशुपालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

स्कूल वैन चालकों को सुरक्षित परिवहन एवं यातायात नियमों के पालन का दिलाया संकल्प

विद्यार्थियों को भी नशे के प्रति किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में गांव बवलपुर स्थित रॉयल पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा, सुरक्षित परिवहन एवं नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना यातायात के एचसी राजेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की कानूनी जिम्मेदारी के साथ-साथ सामाजिक एवं नैतिक दायित्व भी है। उन्होंने हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने, नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा सभी यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भी नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए शिक्षा, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही राहवीर योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार नागरिक को सरकार द्वारा सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में वैन चालकों, हेल्परों एवं विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का पालन करने, नशे से दूर रहने तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं में कानून के प्रति सम्मान, सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी और नशामुक्त समाज के निर्माण की भावना को सुदृढ़ करना है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

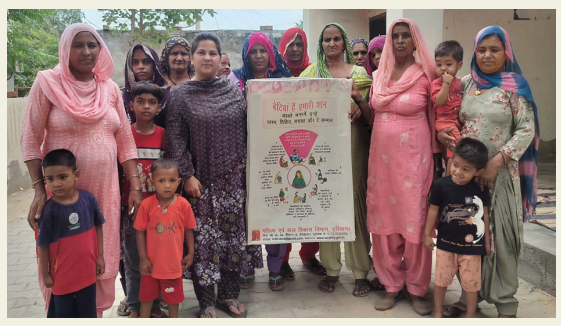

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में गांव हंसावाला में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुपरवाइजर आशु के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को बेटी के जन्म, शिक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। साथ ही महिलाओं को अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए बेटियों के अधिकारों की रक्षा एवं उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया गया।सुपरवाइजर आशु ने इस अवसर महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि बेटियां परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं तथा बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शपथ भी दिलाई गई। उन्होंने संकल्प लिया कि वे बेटियों के प्रति किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करेंगी, उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करेंगी तथा समाज में बेटियों के सम्मान एवं अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करेंगी। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कांता रानी, कैलाश सहित गांव की अन्य महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

ई-रिक्शा चालक अपहरण व मारपीट मामले में मुख्य आरोपी की जमानत खारिज

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा/महवा।

नोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा चालक के कथित अपहरण, बेरहमी से मारपीट, लूटपाट और अमानवीय व्यवहार के चर्चित मामले में मुख्य आरोपी दिलखुश को अदालत से बड़ा झटका लगा है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महवा (प्रथम) अनिता चौधरी की अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता भुवनेश त्रिवेदी ने बताया कि आरोपी की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 483 के तहत जमानत आवेदन प्रस्तुत किया गया था। दोनों पक्षों की विस्तृत सुनवाई के बाद न्यायालय ने 7 जुलाई 2026 को आवेदन निरस्त कर दिया।प्रकरण के अनुसार 17 मई 2026 को राजगढ़ रसीदपुर निवासी ई-रिक्शा चालक शाहरुख खान नीमड़ी से सवारी छोड़कर लौट रहा था। आरोप है कि बोलेरो और स्विफ्ट कार में सवार युवकों ने उसका रास्ता रोककर कट्टे की नोक पर अपहरण कर लिया। इसके बाद उसे बाणगंगा नदी के सुनसान क्षेत्र में ले जाकर बेल्ट, लात-घूंसों और बंदूक के बट से बेरहमी से पीटा गया। आरोपियों पर नकदी और चांदी की अंगूठी लूटने, अमानवीय कृत्य करने तथा घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का भी आरोप है। बाद में पीड़ित को नग्न अवस्था में सुनसान स्थान पर छोड़ दिया गया। पीड़ित की रिपोर्ट पर मंडावर थाने में प्राथमिकी संख्या 133/2026 दर्ज कर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए झूठा फंसाने और जांच पूरी होने का हवाला देकर जमानत की मांग की। वहीं अपर लोक अभियोजक और परिवादी पक्ष ने अपराध की गंभीरता, उपलब्ध साक्ष्यों और पीड़ित के साथ कथित अमानवीय व्यवहार का उल्लेख करते हुए जमानत का विरोध किया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि अनुसंधान के दौरान घटना से संबंधित वीडियो की पेन ड्राइव, पीड़ित का चोट प्रतिवेदन तथा अन्य साक्ष्य रिकॉर्ड पर उपलब्ध हैं। प्रथम दृष्टया आरोपी के विरुद्ध गंभीर अपराध प्रमाणित होने के कारण इस स्तर पर जमानत देना उचित नहीं है। इसी आधार पर आरोपी दिलखुश पुत्र विमल, निवासी सांथा बल्लूपुरा, थाना महवा की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

ऑपरेशन नारकोस का बड़ा असर, आगरा मंडल में 52 किलो से अधिक गांजा जब्त, 6 तस्कर गिरफ्तार

तीन माह के अभियान में करीब 14.84 लाख रुपए का मादक पदार्थ बरामद, आरपीएफ ने तस्करी पर कसा शिकंजा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-आगरा।

मनोज खंडेलवाल । यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसरों को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से आगरा रेल मंडल द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नारकोस' के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी. राज मोहन के निर्देशन में अप्रैल से जून 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं संबंधित एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई में 52.20 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 14 लाख 84 हजार 174 रुपए आंकी गई है। अभियान के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई। आगरा मंडल ने स्पष्ट किया है कि रेलवे परिसरों में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और नशामुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

ऑपरेशन नारकोस का बड़ा असर, आगरा मंडल में 52 किलो से अधिक गांजा जब्त, 6 तस्कर गिरफ्तार

तीन माह के अभियान में करीब 14.84 लाख रुपए का मादक पदार्थ बरामद, आरपीएफ ने तस्करी पर कसा शिकंजा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-आगरा।

मनोज खंडेलवाल । यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसरों को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से आगरा रेल मंडल द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नारकोस' के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी. राज मोहन के निर्देशन में अप्रैल से जून 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं संबंधित एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई में 52.20 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 14 लाख 84 हजार 174 रुपए आंकी गई है। अभियान के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई। आगरा मंडल ने स्पष्ट किया है कि रेलवे परिसरों में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और नशामुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

महिला सुरक्षा पर मंथन, पुलिस-समाज ने मिलकर मजबूत सुरक्षा तंत्र का लिया संकल्प

दौसा पुलिस लाइन में संपर्क सभा, महिला अधिकार, संवेदनशील पुलिसिंग और जागरूकता पर दिया गया जोर।

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन, दौसा में महिला सुरक्षा विषयक संपर्क सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, महिला विशेषज्ञों, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों की प्रतिनिधियों तथा विभिन्न संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं ने भाग लेकर महिला सुरक्षा, अधिकारों की जानकारी, कानूनी जागरूकता और सुरक्षित सामाजिक वातावरण के निर्माण पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। संपर्क सभा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसआईसीयूडब्ल्यू) सहित राजकीय महाविद्यालयों की प्राध्यापिकाओं, अधिवक्ताओं, महिला संगठनों की प्रतिनिधियों, आशा सहयोगिनियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने महिलाओं की सुरक्षा, संवेदनशील पुलिसिंग, महिला सशक्तिकरण और जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और समाज की सहभागिता तथा जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है।

टोहाना के लगातार तीन बार के नगर पार्षद रामकुमार सैनी की सराहनीय पहल

पेंशन पीड़ित बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवाओं के लिए अपने निवास पर लगाया दो दिवसीय समाधान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार द्वारा पिछले 8-9 महीने से बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवाओं की पेंशन का भुगतान नहीं किया गया। जिस कारण भारी संख्या में पेंशनधारी आमजन परेशान हो रहे हैं। इस विषय पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए नगर परिषद टोहाना के पूर्व उपप्रधान एवं नगर पार्षद रामकुमार सैनी ने एक सराहनीय पहल करते हुए अपने निवास पर दो दिवसीय विशेष कैम्प लगाने की शुरूआत की है। जहां बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवाओं की पेंशन संबंधित शिकायतों का निवारण करवाने का प्रयास किया जाएगा। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए पार्षद रामकुमार सैनी ने बताया कि 7 और 8 जुलाई को वार्ड नंबर 10 में उनके निवास स्थान पर यह स्पैशल कैम्प आयोजित किया जा रहा है। यहां समय की कोई सीमा नहीं है, सुबह 6 से लेकर रात 11 बजे तक कभी भी कोई भी पेंशन धारक आकर अपनी समस्या रख सकता है। उन्होंने सभी पेंशन धारकों से अपील करते हुए कहा कि जिनकी पेंशन शुरू हो गई है लेकिन बीच के 8,9 महीनो की रुकी अभी तक नहीं मिली है। वे अपने साथ एक आधार कार्ड की फोटो कॉपी, फैमिली आईडी की फोटो कॉपी साथ लाएं तथा स्वयं आकर अपने सिग्नेचर या अंगूठा लगाना अनिवार्य होगा। श्री सैनी ने बताया कि किसी को भी बाहर से कोई भी एप्लीकेशन टाइप करने की या अलग से पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है, जो भी टाइप होगा। वह इस कैम्प में निशुल्क मिल जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि जो भी बुजुर्ग या दिव्यांग साथी चल फिर नहीं पाते वे हमें 9996440006 पर सम्पर्क करें। उनके फार्म घर से ही भरवाने की व्यवस्था की जाएगा। रामकुमार सैनी ने कहा कि जिनकी पेंशन बन चुकी है, लेकिन पिछले 8,9 महीने की पेंशन उन्हें प्राप्त नहीं हुई या जिनकी अभी तक पेंशन शुरू नहीं हुई उनके लिए पिछले लम्बे समय से बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवाओं की पेंशन के लिए संघर्ष किया है। उपायुक्त से बात करके चार कैंप टोहाना में लगवाए, उसी के परिणाम स्वरूप लगभग 95 प्रतिशत पेंशन सभी की आ चुकी है, फिर भी जो 5 प्रतिशत बकाया हैं, उनके लिए भी हमने ऊपर से उन सभी पैशन धारकों की कमियों को दूर करवाया। उन सभी की पेंशन इस महीने की 20 से 25 तारीख तक आ जाएगी! इसके बावजूद भी जो बीच में कई महीने से जो पेंशन रुकी पड़ी है। उनके लिए यह स्पैशल कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जब तक आप सभी की बकाया पेंशन या जिनकी रुकी हुई है या रुकी हुई पैशन शुरू न करवा दूं तब तक ये संघर्ष जारी रहेगा।

नहरों में नहाना जानलेवा साबित हो सकता है, अभिभावक रखें बच्चों की गतिविधियों पर विशेष नजर: आईपीएस निकिता खट्टर

हालिया दुखद घटनाओं के मद्देनज़र फतेहाबाद पुलिस ने जारी की विशेष जन-सुरक्षा एडवाइजरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद

रजत विजय रंगा । जिले एवं प्रदेश में हाल के दिनों में नहरों में नहाने के दौरान हुई दुखद घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने आमजन के लिए विशेष जन-सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों पर विशेष नजर रखें तथा उन्हें नहरों, नदियों, तालाबों, जोहड़ों एवं अन्य गहरे जल स्रोतों पर जाने से रोकें, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान कई बच्चे और युवा समूह बनाकर नहरों एवं अन्य जल स्रोतों पर नहाने या मौज-मस्ती के उद्देश्य से पहुंच जाते हैं। पानी का तेज बहाव, अधिक गहराई तथा तैराकी का पर्याप्त अनुभव न होने के कारण हर वर्ष कई दर्दनाक हादसे सामने आते हैं। थोड़ी सी लापरवाही पूरे परिवार के लिए जीवनभर का दुख बन सकता है , उन्होंने कहा कि अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि उनके बच्चे बिना जानकारी के घर से ऐसे स्थानों पर न जाएं। यदि बच्चे या युवा दोस्तों के साथ घूमने या नहाने की योजना बनाते हैं तो परिवार उन्हें इसके संभावित खतरों के बारे में अवश्य जागरूक करे। जागरूकता और सतर्कता ही ऐसे हादसों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

बीएनएसएस की धारा 163 के तहत नहरों में नहाने पर प्रतिबं

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जनहित एवं लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत जिले की नहरों में नहाने तथा मौज-मस्ती के उद्देश्य से नहरों में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश आमजन के जीवन की सुरक्षा के लिए जारी किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति इन आदेशों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आमजन से इन आदेशों का पूर्णत: पालन करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई है।

ग्राम पंचायतों से जन-जागरूकता अभियान चलाने की अपील

पुलिस अधीक्षक ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों से आग्रह किया है कि वे गांवों में मुनादी कराकर लोगों को नहरों में नहाने, नहर किनारे बैठकर शराब अथवा अन्य प्रकार का नशा करने से दूर रहने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतें युवाओं एवं अभिभावकों को जिला प्रशासन के प्रतिबंधात्मक आदेशों की जानकारी भी दें, ताकि कोई भी व्यक्ति अनजाने में इनका उल्लंघन न करे। ग्राम पंचायतों एवं ग्रामीणों के सहयोग से ही ऐसे हादसों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

थाना प्रभारियों को विशेष निगरानी के निर्देश

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि नियमित गश्त के दौरान अपने-अपने थाना क्षेत्रों में आने वाली नहरों, नालों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों पर विशेष निगरानी रखें। संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त नहर किनारे वाहन खड़े कर शराब या अन्य प्रकार का नशा करने वालों तथा प्रतिबंधित क्षेत्र में नहरों में नहाते या मौज-मस्ती करते पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

कैफिनेटेड बेवरेज पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई : करनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठान से 35,936 कैन किए सीज, जांच के लिए लिया नमूना

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग के निर्देशानुसार जिले में कैफिनेटेड बेवरेज के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कानासर रोड स्थित करनी औद्योगिक क्षेत्र में मैसर्स श्री विनायक एंटरप्राइजेज पर निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कैफिनेटेड बेवरेज 'कैंपा एनर्जी' का नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत जांच के लिए लिया गया। साथ ही मौके पर उपलब्ध 35,936 कैन को एहतियातन सीज किया गया।उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार कैफिनेटेड बेवरेज के लेबल पर 'स्टिमुलेट्स माइंड ', 'एनर्जाइज़ बॉडी ', 'एनर्जी ड्रिंक ', 'स्पोर्ट्स ड्रिंक ' जैसे दावे करना भ्रामक प्रचार की श्रेणी में आता है। इसी संबंध में एफएसएसएआई द्वारा देश के प्रमुख बेवरेज ब्रांडों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

डॉ. साध ने बताया कि अधिक कैफीन युक्त पेय पदार्थ गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, बच्चों तथा कैफीन के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इस संबंध में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा द्वारा सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, बीकानेर भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा, भानु प्रताप सिंह, सुरेंद्र कुमार तथा राकेश गोदारा द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

पेरिस एफसी ने पूर्व चेल्सी कोच लियाम रोसेन्योर को हेड कोच नियुक्त किया

पेरिस। पूर्व चेल्सी हेड कोच लियाम रोसेन्योर को पेरिस एफसी ने अपनी पुरुष टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया है। कुछ महीनों पहले प्रीमियर लीग ने उन्हें पद से हटाया था, जिसके बाद इंग्लिश कोच को यह जिम्मेदारी मिली है। लीग 1 की इस टीम ने मंगलवार को पुष्टि की है कि 41 वर्षीय रोसेन्योर ने जून 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। वे आधिकारिक तौर पर 9 जुलाई से काम शुरू करेंगे, जब टीम प्री-सीजन ट्रेनिंग के लिए लौटेगी। रोसेन्योर, एंटोनी कोम्बोउरे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में क्लब को 11वें स्थान पर पहुंचाने से पहले लीग 1 में बने रहने में मदद की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, क्लब ने कोम्बोउरे के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह एक नया अध्याय शुरू करना चाहता है। अप्रैल में चेल्सी में अपने छोटे से कार्यकाल के खत्म होने के बाद रोसेन्योर फुटबॉल मैनेजमेंट में वापसी कर रहे हैं। पूर्व डिफेंडर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चार महीने से भी कम समय तक रहे और फिर क्लब से अलग हो गए।

पेरिस एफसी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को तैयार करने और फुटबॉल का एक महत्वाकांक्षी, आक्रामक शैली अपनाने के लिए रोसेन्योर की ख्याति ने उन्हें क्लब को अगले चरण में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। क्लब ने एक बयान में कहा, '41 वर्षीय लियाम रोसेन्योर के पास पहले से ही उच्चतम स्तर का काफी अनुभव है। युवा प्रतिभाओं को निखारने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लियाम रोसेन्योर, पेरिस एफसी की विचारधारा और स्पोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही हैं। महत्वाकांक्षी, आकर्षक और आक्रामक फुटबॉल के प्रति उनका नजरिया क्लब की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं से मेल खाता है।' पेरिस एफसी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर मार्को नेपे ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए रोसेन्योर को एक आधुनिक कोच बताया जो खिलाड़ियों और टीम दोनों को विकसित करने में सक्षम हैं। नेपे ने कहा, 'लियाम रोसेन्योर में वे सभी गुण हैं जिनकी हमें तलाश थी।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में गौतम गंभीर नहीं होंगे भारत के कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए सोमवार (6 जुलाई) को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का ऐलान हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलने है। खबर है कि जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के लॉग रिकॉर्ड के अनुसार जुलाई के अंत में जिम्बाब्वे दौरे और सितंबर में एशियन गेम्स के लिए कोचिंग स्टाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से होगा। वीवीएस लक्ष्मण के सपोर्ट

स्टाफ की अगुआई करने की उम्मीद है। सीओई में उनके साथी कोच सुनील जोशी और ऋषिकेश कानिटकर के भी उनके साथ जुड़ने की संभावना है।

एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज सीरीज में टकराव

यह व्यवस्था खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज में टकराव होना है। इससे पहले सितंबर के बीच में भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। इत्तेफाक से अफगानिस्तान उस सीरीज का मेजबान होगा। जिम्बाब्वे दौरे के योजना के मुताबिक, भारतीय टीम के कुछ सदस्य 19 जुलाई को हरारे पहुंचेंगे।

जिम्बाब्वे में 3 मैचों की सीरीज- बाकी खिलाड़ी 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरे और आखिरी वनडे के बाद 20 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। टीम 20 से 22 जुलाई तक और फिर 24 जुलाई को आराम करेगी और ट्रेनिंग करेगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की हार जारी

● इंग्लैंड ने टीम इंडिया को किया 76 पर ढेर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच मैच में 125 रनों से हरा दिया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में मंगलवार (7 जुलाई) को भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। 2 विकेट झटके। इसके जवाब में भारत 11.4 ओवर में 76 रन पर ढेर हो गया।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने जबरदस्त गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर (3 ओवर में 3/29) और जोश टंग (4 ओवर में 4/28) ने पावरप्ले में जबरदस्त आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की। जब भारत का स्कोर पांच ओवर में 5 विकेट पर 52 रन हो गया, तभी मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था।

सबसे बुरी बात यह रही कि यह हाल के समय में भारत के सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक था, जिसमें खराब शॉट चयन और लड़ने का जज्बा न होना साफ दिखा। बाकी का समय बस औपचारिकता भर था। पावरप्ले के दौरान शिवम दुबे से पहले नंबर 7 पर हर्षित राणा जैसे 'हिट-एंड-मिस' वाले खिलाड़ी को भेजने पर कई लोगों ने हैरानी भी जताई।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दो छक्के लगाए (एक जोफ्रा आर्चर और एक जोश टंग की गेंद पर) लेकिन उनकी 13 रन की पारी सिर्फ पांच गेंदों में खत्म हो गई। उनके दाहिने कंधे पर आए एक तेज बाउंसर पर उन्होंने हुक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। इससे वैभव सूर्यवंशी को यह अहसास हो गया कि इंटरनेशनल क्रिकेट हमेशा बच्चों का खेल नहीं होता।

अभिषेक शर्मा डीप एक्स्ट्रा कवर पर कैच आउट हो गए। यह वही इलाका है जहां वह पहले भी कई बार आउट हो चुके हैं। इशान किशन ने हुक करके एक छक्का तो लगाया, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर फ्लिक करने की कोशिश की और स्क्वायर के पीछे खड़े फील्डर के हाथों में गेंद मार बैठे। अक्षर पटेल को शॉर्ट बॉल की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें फुलर लेंथ मिली और उसका किनारा लगकर गेंद स्टंप्स के पीछे चली गई।

भारत की सबसे बड़ी हार

दूसरे सबसे कम स्कोर पर आउट

पावरप्ले में पहली बार गंवाए 5 विकेट

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी है। इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मंगलावर (7 जुलाई) को 125 रनों से हरा दिया। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी हार है। वह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार 100 से ज्यादा रन से हारी। टॉस हारकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर आउट हो गई। यह भारत का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवा दिए। छठे ओवर में ही हर्षित राणा बल्लेबाजी के लिए आ गए। पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवाए। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद 5 मैचों से जीत का इंतजार है। उसने 4 मैच गंवाए हैं और 1 मैच बेनतीजा रहा है। भारत ने जीत के लिए कभी इतना लंबा इंतजार नहीं किया।

भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी

- 125 रन से इंग्लैंड ने हराया, ट्रेंटब्रिज, 2026
- 80 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, वेलिंगटन, 2019
- 76 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, अहमदाबाद, 2026
- 51 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, मुल्लनपुर, 2025
- 50 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, विशाखापत्तनम, 2026

(ऊपर दिए गए पांच में से चार दिसंबर 2025 के बाद आए हैं)

0-2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की शानदार वापसी

11 मिनट में पलटी बाजी, मेसी बने संकटमोचक

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अर्जेंटीना के लिये 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक 2 गोल से पिछड़ रही मौजूदा चैम्पियन टीम को 3-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया। निर्धारित समय में 11 मिनट बाकी रहने तक अर्जेंटीना दो गोल से पिछड़ रहा था और ऐसा लगने लगा था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद मेसी की फुटबॉल के महासमर से विदाई का समय आ गया है। इसके बाद अर्जेंटीना ने चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन गोल दागकर जीत दर्ज की और दुनिया भर में उसके करोड़ों प्रशंसकों ने भी राहत की सांस ली। इसमें से बराबरी का गोल 83वें मिनट में छठा विश्व कप खेल रहे मेसी ने दागा था जिनके अब विश्व कप कैरियर में 21 गोल हो गए हैं। अब अर्जेंटीना का सामना शनिवार (11 जुलाई) को कंसास सिटी में स्विटजरलैंड या कोलंबिया से होगा।

मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके

आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने 83वें मिनट में इस विश्व कप में आठवां गोल करके टीम को 2-2 से बराबरी पर पहुंचाया। विजयी गोल स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडिस ने दागा। वहीं क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया था।

मेसी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए

मिस्र ने यासिर इब्राहिम और मुस्तफा जिको के गोल के दम पर 2-0 से बढ़त बना ली थी। मेसी को पहले हाफ में मौका मिला था, लेकिन उनकी पेनल्टी किक को मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने बचा लिया था। फिर जब स्कोर 1-0 था, तब उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा गया। अर्जेंटीना की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली ब्राजील (1958 और 1962) के बाद पहली टीम बनने पर है।

15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली- मैच से पहले अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन 15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली जब लिसांद्रो मार्तिनेज को चकमा देकर इब्राहिम ने मारवान आतिया के क्रॉस पर गोल दाग दिया। अर्जेंटीना को तुरंत पेनल्टी स्पॉट के साथ बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेसी के शॉट को शोबीर ने बायीं ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

एम्बाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू

पराग्वे के सांसद ने परवरिश का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। विश्व कप में फ्रांस के हाथों पराग्वे की हार के बाद पराग्वे के एक सांसद द्वारा कीलियन एम्बाप्पे के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में फ्रांस के अभियोजकों ने गंभीर सार्वजनिक अपमान और नफरत या हिंसा भड़काने के आरोपों में जांच शुरू कर दी है। फ्रांस के अभियोजकों के कार्यालय ने मंगलवार (7 जून) को बताया कि आनलाइन घृणा से निपटने वाली राष्ट्रीय ईकाई को फ्रेंच फुटबॉल महासंघ से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टी अमारिला ने एक्स पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इससे पहले एम्बाप्पे के गोल के दम पर फ्रांस ने पराग्वे को हराया था। अमारिला ने फ्रांस के कप्तान के मूल, परवरिश, शिक्षा और चेहरे मोहरे का मजाक बनाया था। फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना मोरक्को से होगा। एम्बाप्पे ने उन्हें 'घिनौनी महिला' करार देते हुए कहा था कि वह पराग्वे की कांग्रेस में सेवा के लायक नहीं हैं।

अमारिला ने पत्र जारी किया

बाद में अमारिला ने सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे के लिए फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में एक खुला पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी समस्या खिलाड़ी से थी, न कि फ्रांस देश से।

अभिषेक नंबर 1

वैभव टॉप-10 से बाहर

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत को बेशक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रन के लिहाज से सबसे बड़ी हार मिली हो, बेशक इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से लड़खड़ा गई हो, लेकिन इस मुकाबले के बाद अगर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाजों की बात करें तो अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर हैं।

वहीं इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी टॉप-10 से बाहर हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 112 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ अब तक कुल 110 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के बैटर जैकब बेथेल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 89 रन बनाए हैं। वैभव सूर्यवंशी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं। वैभव ने 2 मैचों में 27 रन बनाकर 12वें नंबर पर हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: देश का मान बढ़ाने टीम इंडिया ग्लास्गो रवाना

नई दिल्ली। भारत फिर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। देश के खिलाड़ी अब स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगे का मान बढ़ाने उतरेंगे। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार सात जुलाई 2026 को खिलाड़ियों और अधिकारियों के दल को भव्य विदाई दी। साथ ही उन आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया, जिसे भारतीय खिलाड़ी ग्लास्गो में पहनेंगे। इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मौजूद रहे। खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। मैं सभी खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के खेलें, खेल भावना का सम्मान करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।''

23 जुलाई से होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के बारे में मनसुख मांडविया ने कहा, ''ग्लास्गो में हमारे सर्वश्रेष्ठ खेलों में से दस नहीं है, लेकिन खेल तो खेल है। हमें यकीन है कि हमारे खिलाड़ी पूरे उत्साह से खेलेंगे और देश को गौरवान्वित करके विश्व खेल जगत में भारत की छवि और मजबूत करेंगे।'' कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय दल के चीफ-डि-मिशन रोहित राजपाल और डिप्टी चीफ-डि-मिशन रवि बंगानी भी मौजूद रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, ''आज भारतीय खेलों के लिए एक नए गौरवशाली अध्याय की शुरुआत है। भारत की जर्सी पहनने वाले हर खिलाड़ी ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के दम पर यह मौका हासिल किया है।

खिलाड़ियों की भव्य विदाई, नई किट भी लॉन्च

खेलों में मेजबान के तौर पर बढ़ रही भारत की साख: मनसुख मांडविया

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वैश्विक खेल समुदाय में भारत के बढ़ते कद की बानगी इससे मिलती है कि भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ अर्से में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी की है, जिसमें विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

मनुसख मांडविया ने कहा, ''खेल आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। एक समय वह भी था जब महासंघ विश्व और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिपस, विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए कहते थे लेकिन उन्हें भारत के सामर्थ्य पर संदेह रहता था।''

अब एफपीआई फीस का भुगतान अमेरिकी डॉलर नहीं भारतीय रुपए में होगा

-यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों पर लागू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों में बदलाव करते हुए शुल्क भुगतान की व्यवस्था को अमेरिकी डॉलर की जगह भारतीय रुपए में कर दिया है। यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों दोनों पर लागू होगा। नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे, ताकि विदेशी निवेशकों को नई व्यवस्था अपनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। अधिसूचना के मुताबिक एफपीआई नियमों में 1,000 अमेरिकी डॉलर की जगह अब 90,000 रुपए शुल्क तय किया गया है। सेबी ने कैटेगरी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के रजिस्ट्रेशन शुल्क को 2,500 डॉलर से बदलकर 2.3 लाख रुपए कर दिया है। इसी तरह देरी से भुगतान और कंटिन्यूएंस फीस में भी संशोधन किया है। भारत में एफपीआई के लेनदेन संभालने वाले डिजिग्नेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स को रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच कार्य दिवस के अंदर यह शुल्क सेबी को जमा कराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक कम्प्लायंस और ऑपरेशंस को आसान बनाने के लिए एफपीआई रजिस्ट्रेशन के कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म में अब जन्म तिथि या कंपनी के गठन की तिथि भी शामिल की जाएगी। इसका मकसद मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी नई अधिसूचना के बाद पेन आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाना है। सेबी को वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएंस और अन्य शुल्क के रूप में 1.298 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। इस राशि में जीएसटी भी शामिल है। सेबी ने कहा कि डॉलर में शुल्क लेने के कारण मैनुअल अकाउंटिंग, इनवॉइसिंग और रियल-टाइम अकाउंटिंग में दिक्कतें आती थीं। इससे वित्तीय रिपोर्टिंग में भी देरी होती थी। नई व्यवस्था से इन समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। सेबी ने कस्टोडियन द्वारा दिए जाने वाले शुल्क की व्यवस्था भी बदल दी है। अब उन्हें सालाना 10 लाख रुपए की जगह हर महीने 85,000 रुपए शुल्क देना होगा। सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों में इंट्रा-डे उधारी से जुड़े बदलावों को भी अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत म्युचुअल फंड अब पे-इन और पे-आउट सेटलमेंट के समय के अंतर, एसेट क्लास के भीतर लेनदेन, फॉरेक्स सेटलमेंट और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए इंट्रा-डे उधार ले सकेंगे। यह सुविधा पहले से उपलब्ध उस व्यवस्था के अतिरिक्त होगी, जिसके तहत म्युचुअल फंड योजनाएं यूनिटधारकों को भुगतान के लिए अपनी नेट एसेट्स के 20फीसदी तक कर्ज ले सकती हैं। सेबी ने साफ कहा है कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिन खत्म होने से पहले यह उधार चुकाना होगा। अगर ऐसा नहीं होता, तो उसे म्युचुअल फंड नियमों के मुताबिक ओवरनाइट उधारी माना जाएगा।

मोबाइल रिचार्ज में भारी बढ़ोतरी तय, जेब पर पड़ेगा सीधा असर

रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक मंहगे हो सकते

मुंबई।

भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगने वाला है। जल्द ही आपके मासिक या वार्षिक रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया अपने औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में सुधार लाने और 5जी नेटवर्क पर किए बड़े निवेश की भरपाई की तैयारी में हैं। पिछले टैरिफ बढ़ोतरी के झटके से उपभोक्ता अभी उबर भी नहीं सके थे कि यह दूसरी बड़ी वृद्धि सामने आने वाली है।टेलीकॉम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर यह बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार में अब केवल 3+1 खिलाड़ी होने के कारण, कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ाना आसान हो गया है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली तिमाही में सभी निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के एआरपीयू में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण ग्राहकों का 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर अपग्रेड होना, पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ती संख्या और डेटा उपयोग में लगातार वृद्धि है।रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में लगातार इजाफा कर रही हैं, जबकि दोनों ही कंपनियाँ देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं और अपने नेटवर्क में अधिक 5जी डिवाइस जोड़ने पर काम कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया भी लगभग 100 शहरों में अपनी 5जी सेवा का विस्तार कर रहा है। डेटा के बढ़ते इस्तेमाल को देखकर टेलीकॉम कंपनियों को लगता है कि कीमतों में बढ़ोतरी का सही समय है।

होर्मुज में फिर तनाव से कच्चे तेल में लगी आग, दुनियाभर के शेयर बाजारों में हड़कंप

-क्रूड ऑयल अचानक 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी लेकर 76 डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बैठकों को लेकर आ रहे अपडेट्स के बीच दुनिया की 20 फीसदी तेल जरूरत को पूरा करने के लिए जरूरी होर्मुज स्ट्रेट फिर से तनाव की वजह बनता जा रहा है। वजह है अमेरिका का ईरान पर हमला। इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल मच गई है और दुनियाभर के शेयर बाजारों में भी हड़कंप मचा है, जो भारतीय शेयर बाजार के लिए निगेटिव संकेत दे रहे हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट के लिए प्रमुख संकेतक माना जाने वाला गिफ्ट निफ्टी भी रेड जोन में ट्रेड कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहराने लगा है। हॉर्मुज में तीन कॉमर्शियल जहाजों पर ईरान से मिसाइल अटैक के बाद अमेरिकी सेना ने पलटवार किया और ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार चल रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये जबरदस्त हमले उन लोगों को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रूट में आम नागरिकों वाले कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर अटैक किया है। एक बयान में कहा गया कि ये ताजा स्ट्राइक ईरान द्वारा उन तीन कमर्शियल जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में हैं, जो होर्मुज से गुज़र रहे थे और ये सीजफायर का सीधा उल्लंघन था। ईरानी हमलों पर अमेरिकी स्ट्राइक के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक फिर से उछाल आ गया।

बैंकों के लोन में तेजी और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद, जमा की रफ्तार धीमी

-कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ सकता है 5 फीसदी

नई दिल्ली।

बैंकों का लोन तेजी से बढ़ रहा है और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन दूसरी तरफ जमा की रफ्तार अभी भी लोन के मुकाबले धीमी है। इसके अलावा ब्याज से होने वाली कमाई पर भी दबाव बना रह सकता है। खासकर प्राइवेट बैंकों में मार्जिन थोड़ा घटने की आशंका है। सरकारी बैंकों में भी कुछ दबाव रहेगा, हालांकि उनकी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में उसके कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर करीब 5फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इसमें 8फीसदी की गिरावट आने का अनुमान है।रिपोर्ट के मुताबिक प्राइवेट बैंकों का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 11फीसदी बढ़ सकता है। वहीं सरकारी बैंकों का मुनाफा करीब 2फीसदी घटने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसमें एक बड़ा कारण बैंक ऑफ बड़ौदा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूएई से जुड़े एक कानूनी मामले के निपटारे के लिए बैंक को करीब 5,700 करोड़ रुपए का एकमुश्त प्रावधान करना पड़ सकता है। अगर बैंक ऑफ बड़ौदा को अलग कर दें, तो बाकी सरकारी बैंकों का मुनाफा भी करीब 12फीसदी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में बैंकों की लोन ग्रोथ मजबूत बनी रही। 15 जून तक आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में लोन 17.7फीसदी की दर से बढ़े, जबकि डिपॉजिट सिर्फ 12फीसदी बढ़े यानी बैंक तेजी से कर्ज दे रहे हैं, लेकिन उसी रफ्तार से उनके पास जमा नहीं बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,677, निफ्टी 516 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका के ईरान पर किये हमलों के बाद दुनिया भर के बाजारों में मची उथल-पुथल से बिकवाली हावी होने और कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 1,677.12 टूटकर 76,503.60 पर खिसक गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 516.65 अंक की गिरावट के साथ ही 23,882.05 पर फिसल गया। इसके अलावा व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में में भी काफी गिरावट दर्ज की गई। वहीं क्षेत्रवार देखें तो सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट पर हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई, इसके अलावा निफ्टी बैंक , निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी) और निफ्टी मीडिया में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा,निफ्टी और निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गिरावट रही।

निफ्टी के सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी और एचयूएल शामिल रहे, जबकि ओएनजीसी और बजाज ऑटो, हिंडाल्को और कोल इंडिया के शेयर उछले।

इस बिकवाली में बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 8 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट आई। गत दिवस बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों का बाजार मूल्यांकन 480.20 लाख करोड़ रुपए था, जो अब घटकर 471.44 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। गौरतलब है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम समाप्त हो गया है जिसके बाद से ही निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 625 अंक फिसलकर 77,555.52 के निचले स्तर तक खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 गिरकर 24,207.20 के स्तर तक रहा।

तीन महीनों में खत्म होगी 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन

-जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषण के मुताबिक जुलाई से सितंबर के बीच कुल 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन हटाए जाने हैं, जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर है। हालांकि ये सभी शेयर, बाजार में नहीं आएंगे क्योंकि प्रवर्तक और प्रवर्तक समूहों के पास भी इनका एक बड़ा हिस्सा है। कुछ शेयरों के लिए एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है और कुछ अन्य के लिए तीन या छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है, जिन शेयरों का एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है, उनमें सीएमआर ग्रीन टेक्नॉलजीज, टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म, हेक्सागन न्यूट्रिशन, एडवाइट ज्वेल्स और सीएसएम टेक्नॉलजीज शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी शेयरों का तीन महीने का लॉक-इन सितंबर तक खत्म हो जाएगा। इनके अलावा, ओम पावर ट्रांसमिशन और ऑनईएमआई टेक्नॉलजी सॉल्यूशंस ऐसी कंपनियां हैं, जिनका तीन महीने का लॉक-इन पीरियड सितंबर के आखिर से पहले खत्म हो जाएगा। भारत कोकिंग कोल, शैडोफैक्स टेक्नॉलजीज और आय फाइनैंस उन फर्मों में शामिल हैं, जिनका छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है।

जानकारों का कहना है कि आईपीओ लॉक-इन की समयसीमा खत्म होने से द्वि तीयक बाजार में शेयरों की संख्या में तेजी नहीं आती है क्योंकि संस्थागत निवेशकों और प्राइवेट इक्विटी फंड आम तौर पर खुले बाजार में सीधे शेयर बेचने के बजाय बातचीत के जरिये नियोजन या ब्लॉक ट्रेड के जरिये अपना निवेश निकालने की योजना बनाते हैं। स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक ने कहा कि अक्सर लेनदेन खास तरीके से तय या नियोजित किए जाते हैं। ब्रोकर, मर्चेंट बैंकर और खुद कंपनी भी इच्छुक खरीदारों को खोजने में मदद करते हैं ताकि ज्यादा उथल-पुथल के बिना शेयर बिक जाएं।

चालू माह में मिल रही अल्ट्रोज और टियागो पर विशेष छूट

नई दिल्ली ।

जुलाई महीने में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक अल्ट्रोज और टियागो पर आकर्षक छूट की घोषणा की है। अल्ट्रोज के रेसर वैरिएंट पर सबसे अधिक 55,000 रुपये तक का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके पेट्रोल और डीज़ल वैरिएंट्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस मिल रहा है।

वहीं, अल्ट्रोज सीएनजी मॉडल पर इन छूटों के साथ 20,000 रुपये का इंटरवेंशन ऑफर भी दिया जा रहा है। अल्ट्रोज की एक्स-शोरूम कीमतें 6.3 लाख रुपये से 10.65 लाख रुपये के बीच हैं, और यह कई इंजन विकल्पों व उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे 6 एयरबैग और ईएससी के साथ आती है।

दूसरी ओर, टाटा मोटर्स प्री-फेसलिफ्ट टियागो के बचे हुए स्टॉक पर 35,000 रुपये तक की छूट दे रही है। एक्सई वैरिएंट को छोड़कर, टियागो के पेट्रोल और सीएनजी दोनों मॉडल्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस और 5,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर मिल रहा है।

सोने और चांदी के भावों में आई नरमी

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को नरमी आई है। कीमती धातुओं में ये गिरावट डॉलर में मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जून बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले निवेशकों की सतर्कता से आई है। इससे सोने-चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के साथ ही घरेलू बाजारों में भी कीमतें नीचे आयी हैं। आज कॉमेक्स पर सोना 4,100 डॉलर प्रति औंस से नीचे आया। वहीं चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक खिसकी। घरेलू मार्केट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज भी फिसला है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव 1,44,950 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,29,300 रुपये के करीब रहे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत में भी कमी आई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 192 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,45,200 रुपये के भाव पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,45,392 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 842 रुपये की गिरावट के साथ 2,30,015 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,30,857 रुपये था। चांदी का वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा।

सरकार ने ईवी वाहन में लगे सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का ऑडिट के दिए निर्देश

-यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया

नई दिल्ली।

सरकार ने वाहन विनिर्माताओं और वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनियों को कनेक्टेड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में लगे वाहन प्रबंधन सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का व्यापक ऑडिट करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश यात्री और वाणिज्यिक दोनों वाहन श्रेणियों पर लागू होगा।

यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर ऐपल और गूगल को तीन ऐप हटाने का निर्देश दिए जाने के बाद उठाया गया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम और वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एक्मा को लिखे पत्र में कंपनियों से अपने बैटरी संचार इंटरफेस का ऑडिट करने और असुरक्षित डिफॉल्ट सेटिंग, कमजोर प्रमाणीकरण या असुरक्षित ओवर-द-एयर विकल्पों को खत्म करने का आग्रह किया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी इस पत्र को देखा है। उसके मुताबिक भारी उद्योग मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाहन विनिर्माताओं को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कारखाना स्तर पर बेहतर और दमदार साइबर सुरक्षा डिजाइन प्रोटोकॉल स्थापित करने चाहिए। पत्र में हैकिंग की घटनाओं को सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता बताया है जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरुरत है। सूत्र ने बताया कि सरकार की मुख्य चिंता कनेक्टेड कारों के लिए है।

कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज, 950 करोड़ जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली।

फिटनेस और वेलनेस कंपनी कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास कागजात जमा कर दिए हैं। इस आईपीओ से कंपनी 950 करोड़ रुपए तक की नई पूंजी जुटा सकती है। कंपनी भारत में हेल्थ और वेलनेस सेवाओं की बढ़ती मांग का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। इस ऑफर में नए शेयर जारी करना और मौजूदा निवेशकों की बिक्री पेशकश शामिल है। मामले के जानकार लोगों का मानना है कि आईपीओ का कुल आकार करीब 4,000 करोड़ रुपए तक हो सकता है। टेमासेक, फिटनेस फर्स्ट लक्जमबर्ग, चिराटे वेंचर्स, टाटा डिजिटल, एक्सेल इंडिया, कलारी कैपिटल और श्रोडर्स कैपिटल जैसे मौजूदा निवेशक ओएफएस में करीब 17.86 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहे हैं। हर इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए है। इस आईपीओ में सह-संस्थापक मुकेश बंसल, एंजेल निवेशक ब्रूनो रैशल और अभिनेता ऋतिक रोशन भी अपने शेयर बेच रहे हैं। शेयर बेचने वालों में एशियन पेंट्स की प्रमोटर कंपनी डोली ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स, हॉस्पिटैलिटी कंपनी सन एन सैंड होटल्स, एंडिया पार्टनर्स के संस्थापक सतीश अंद्रा, मित्रा के पूर्व सीईओ अनंत नारायणन का फैमिली ट्रस्ट और अभिनेता ऋतिक रोशन की निवेश कंपनी एक्सट्रीम ब्रांड्स भी शामिल हैं। कल्ट डॉट फिट में मैकरिची इन्वेस्टमेंट्स सबसे बड़ी शेयरधारक है, जिसके पास 20.3 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और अपने कल्ट एलीट और कल्ट नियो फिटनेस सेंटरों को बढ़ाने के लिए करेगी। वह नए कल्टस्पोर्ट रिटेल आउटलेटों में भी निवेश करेगी, लीज से जुड़े पेमेंट करेगी, मार्केटिंग और ब्रांड प्रमोशन पर खर्च बढ़ाएगी और सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में इसका इस्तेमाल करेगी। 31 मार्च 2026 तक कल्ट फिट भारत का सबसे बड़ा फिटनेस और ऐक्टिव-लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म था। इसके 77 शहरों में 708 फिटनेस सेंटर थे। 2025-26 में कंपनी के करीब 9,87,000 फिटनेस सदस्य थे जो पैसे देकर सेवाएं लेते हैं।

फैब्रिक्स कंपनी कुसुमगर का 650 करोड़ रुपए का खुला आईपीओ

-आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मांग मजबूत

नई दिल्ली।

इंजीनियर्ड फैब्रिक्स बनाने वाली कंपनी कुसुमगर का बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफर बुधवार 8 जुलाई से निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी इस सार्वजनिक निर्गम के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। हालांकि, यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, इसलिए इस आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के पास नहीं जाएगी, बल्कि प्रमोटर शेयरधारकों को मिलेगी। आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मजबूत मांग है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल है कि क्या इस आईपीओ में निवेश करना सही रहेगा या नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक कुसुमगर का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। इसके तहत प्रमोटर करीब 1.55 करोड़ इक्विटी शेयर बेच रहे हैं। कंपनी इस इश्यू के जरिए कोई नए शेयर जारी नहीं कर रही है। आईपीओ का प्राइस बैंड 398 रुपए से 419 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 35 शेयर शामिल हैं यानी खुदरा निवेशकों को कम से कम 14,665 का निवेश करना होगा। वहीं अधिकतम 13 लॉट के लिए करीब 1,90,645 का निवेश करना पड़ेगा।

आईपीओ खुलने से पहले कुसुमगर के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। बाजार सूत्रों के मुताबिक शेयर करीब 590 के भाव पर ट्रेड कर रहे हैं। यह आईपीओ के ऊपरी प्राइस बैंड 419 रुपए के मुकाबले 171 रुपए प्रति शेयर या करीब 40.81 फीसदी का ग्रे मार्केट प्रीमियम दर्शाता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ग्रे मार्केट प्रीमियम केवल बाजार की धारणा को दर्शाता है। इसे लिस्टिंग या भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।कुसुमगर आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख 10 जुलाई है। शेयरों का आवंटन 13 जुलाई को हो सकता है। सफल निवेशकों के डिमैट खाते में शेयर 14 जुलाई तक पहुंच सकते हैं। वहीं, कंपनी के शेयरों की 15 जुलाई को शेयर बाजार में लिस्टिंग होने की उम्मीद है। चूंकि यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल है, इसलिए आईपीओ से जुटाई गई राशि कंपनी के कारोबार में इस्तेमाल नहीं होगी। कंपनी ने अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में स्पष्ट किया है कि इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम संबंधित प्रमोटर शेयरधारकों को जाएगी।

अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल

-ईरान ने हमलों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए और साथ ही ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचने की दी गई अस्थायी छूट वापस ले ली है।

इन घटनाओं ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई युद्धविराम के उल्लंघन और समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के जवाब में की गई। वहीं ईरान ने इन कदमों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी गई है कि हमलों में ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर कहा कि ईरान की आक्रामक कार्रवाई न केवल अनुचित और खतरनाक थी, बल्कि यह युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन भी थी। ईरानी मीडिया के मुताबिक दक्षिणी शहर सीरिक, क़ेश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई विस्फोट हुए। एक व्यावसायिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल गिरने से कुछ लोग घायल हुए, जबकि मछली पकड़ने वाली कई नौकाओं में आग लग गई। हालांकि, किसी नागरिक की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका ने ईरान को तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्यात की जो अस्थायी अनुमति दी थी उसे भी रद्द कर दिया है।

बारुईपुर में बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का आरोपी प्रभाव मुठभेड़ में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर दुष्कर्म और हत्या मामले के आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। बंगाल पुलिस ने सोमवार आरोपी को गिरफ्तार किया था। बारुईपुर एसपी के मुताबिक आरोपी प्रभास मंडल की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। क्राइम सीन को फिर से बनाने में, उसने पुलिस से हथियार छीनने और उन पर गोली चलाने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो प्रभास को लगी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि बारुईपुर में लड़की के दुष्कर्म और हत्या के बाद सरकार और पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। 11 साल की नाबालिग की हत्या मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने घटना की हैवानियत की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के शरीर पर गंभीर चोट, यौन उत्पीड़न और शारीरिक यातनाओं के स्पष्ट संकेत मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया। इसके बाद उसे बोरी में भरकर तालाब में फेंक दिया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि तालाब में फेंके जाने के समय वह जीवित थी। सिर पर गहरे घाव, शरीर पर खरोंच और काटने के निशान मिले हैं। गुप्तांगों पर भी गंभीर चोटों के निशान मिले। पानी शरीर के भीतर जाने से फेफड़ों और पेट में सूजन आ गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक घटना बारुईपुर थाना क्षेत्र के धपधपी-2 पंचायत के सूर्यपुर हाट की है। पीड़िता शनिवार शाम घर से खाने का सामान लेने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। रविवार सुबह घर के पास एक तालाब से उसका शव मिला। उसी रात सीसीटीवी फुटेज में चार लोग नाबालिग को अपने साथ ले जाते दिखे। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

स्कूल बस इंतजार कर रहे थे बच्चों को कार सीख रही महिला ने मारी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के ग्रेटर नोएडा के पंचशील ग्रीन्स-2 सोसायटी के बाहर बुधवार सुबह कार चलाना सीख रही एक महिला की गाड़ी अनियंत्रित होकर स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों पर चढ़ गई जिससे पांच बच्चे को मामूली चोटें आईं हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। घटना उस वक्त हुई जब सोसायटी में रहने वाले कुछ बच्चे स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे तभी एक महिला कार लेकर वहां से गुजरी। पुलिस के मुताबिक महिला अभी कार चलाना सीख ही रही थी और उसे गाड़ी चलाने का ज्यादा अनुभव भी नहीं था। इसी दौरान उसका कार से नियंत्रण छूट गया और गाड़ी सीधे बच्चों से टकरा गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि महिला के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाएगी या नहीं, लेकिन पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है ताकि पूरी घटना का सही कारण सामने आ सके।

जमीन विवाद में युवक की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपियों को तलाश रही पुलिस

आरा (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बड़की खड़ाव गांव में बुधवार सुबह जमीन विवाद में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान बड़की खड़ाव गांव निवासी बीरेन्द्र कुमार सिंह (34) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि घर के बगल की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के मुताबिक आरोप है कि दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने विक्रांत कुमार सिंह पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। हमलावर ने उनके सिर और दाहिनी ओर सीने के पास चाकू मारा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है।

गर्भवती आईपीएस अधिकारियों के प्रशिक्षण पर रोक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अहम कानूनी लड़ाई में, एक गर्भवती महिला आईपीएस अधिकारी ने प्रशिक्षण के दौरान गर्भवती होने पर रोक लगाने वाले करीब तीन दशक पुराने सरकारी नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इसतरह के फैसले पुराने नियमों के बजाय आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर होने चाहिए। मध्य प्रदेश कैडर की 2023 बैच की आईपीएस अधिकारी उर्वशी सेंगर ने याचिका दायर की है। सेंगर ने नवंबर 2023 में अपना फेज-1 प्रशिक्षण शुरू किया था। अप्रैल 2025 में फेज-2 के दौरान जब वे गर्भवती हुईं, तब उन्हें प्रशिक्षण बीच में ही छोड़ने और प्रसव के एक साल बाद अगली बैच के साथ दुबारा प्रशिक्षण लेने के लिए कहा गया। सितंबर 2025 में बच्चे के जन्म के बाद उन्होंने मेडिकल फिटनेस के आधार पर फेज-2 प्रशिक्षण में शामिल होने की अनुमति मांगी, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी ने 1993 के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) का हवाला देकर उनकी मांग ठुकरा दी। यह ज्ञापन कहता है कि गर्भवती आईपीएस प्रोबेशनर को तुरंत प्रशिक्षण से रोक दिया जाएगा और वे प्रसव के एक साल बाद ही फिर प्रशिक्षण शुरू कर सकेंगी। आईपीएस महिला अधिकारी सेंगर ने पहले केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (सीएटी) का रुख किया, जिसने उन्हें अंतरिम आदेश में आवश्यक मेडिकल औपचारिकताएं पूरी करने पर प्रशिक्षण जारी रखने की अनुमति दे दी थी। हालांकि, पुलिस अकादमी ने आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसने 22 जून को सीएटी के आदेश पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यह नियम महिला अधिकारी और उसके बच्चे दोनों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। दायर याचिका में कहा गया है कि 1993 का यह नियम बिना किसी भेदभाव के सभी गर्भवती अधिकारियों पर समान रूप से लागू होता है, जबकि फेज-2 प्रशिक्षण मुख्य रूप से कक्षा-आधारित और अकादमिक होता है, जो शारीरिक रूप से अत्यधिक कठिन नहीं होता। याचिका में उजागर किया गया है कि 2004 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने आईएएस महिला अधिकारियों के लिए इसी तरह के नियम में संशोधन किया था, जिससे उन्हें मेडिकल फिटनेस के आधार पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति मिली थी।

कांग्रेस ने भाजपा-संघ पर लगाया मिलीभगत का आरोप, ट्रस्ट भंग करने की मांग

अयोध्या (एजेंसी)। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया कि ये संगठन असली दोषियों को बचाने के लिए पूरे प्रकरण पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि वर्तमान राम मंदिर ट्रस्ट को तुरंत भंग कर दिया जाए और नए ट्रस्ट में संघ परिवार या विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रतिनिधियों के बजाय हिंदू संतों और धार्मिक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए, ताकि मंदिर की पारदर्शिता और आस्था की शुचिता बनी रहे।

यह राजनीतिक घमासान उस समय और तेज हो गया जब राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने एक हस्तलिखित संदेश में खुद पर लगे गबन के आरोपों को निराधार बताया और कहा कि वे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही जवाब देंगे। गौरतलब है कि इससे ठीक एक दिन पहले ट्रस्ट ने चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए थे। दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांग की कि इस मामले की स्वतंत्र जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हो और मंदिर के चढ़ावे का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग करते हुए कहा कि चूंकि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री ने किया था, इसलिए इस मामले पर उनकी जिम्मेदारी बनती है। गहलोत ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल (2018-23) का जिक्र करते हुए एक और गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के भरतपुर के बंसी पहाड़पुर से जो पत्थर लाया जा रहा था, वहाँ बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा था। उन्होंने चंपत राय से खुद कहा था कि पवित्र कार्य में अवैध पत्थरों का उपयोग न हो। बाद में राज्य सरकार की सिफारिश पर केंद्र के सहयोग से उस क्षेत्र को वन भूमि की श्रेणी से हटाया गया ताकि काम न रुके। गहलोत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण से भाजपा और संघ परिवार का वास्तविक चाल, चरित्र और चेहरा जनता के सामने आ गया है और इन संगठनों ने मंदिर प्रशासन पर अनधिकृत कब्जा कर रखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी गहलोत ने तीखा पलटवार किया, जिसमें योगी ने कहा था कि कांग्रेस को इस पर बोलने का अधिकार नहीं है। गहलोत ने कहा कि अगर ऐसा है, तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद नए ट्रस्ट का नेतृत्व क्यों नहीं करते और जनता का विश्वास बहाल क्यों नहीं करते? यह बयानबाजी दर्शाती है कि राम मंदिर से जुड़ा यह विवाद अब एक गंभीर राजनीतिक रूप ले चुका है।

मुंबई एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा, एक ही रनवे पर आमने-सामने आए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार रात एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए, जिससे यात्रियों के बीच कुछ समय के लिए घबराहट और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की सतर्कता और समय रहते उठाए गए कदमों से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की है। उस समय बागडोगरा से मुंबई पहुंचा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद अभी पूरी तरह रनवे से बाहर नहीं निकला था। इसी दौरान मुंबई से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ब्ब्816 को उसी रनवे से उड़ान भरनी थी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने टेकऑफ की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लेकिन इसी बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोल से तुरंत उड़ान रोकने का निर्देश मिला। निर्देश मिलते ही पायलट ने टेकऑफ रन को तत्काल रद्द कर दिया और विमान को सुरक्षित रूप से वापस पार्किंग बे में ले जाया गया। इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। एयरलाइन के अनुसार, टेकऑफ रन रद्द किए जाने के बाद विमान की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत आवश्यक तकनीकी जांच की जाएगी। इसके बाद ही विमान को दोबारा उड़ान के लिए मंजूरी दी जाएगी। साथ ही यात्रियों को उनके गंतव्य तक जल्द पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है। एयर इंडिया ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एटीसी के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया गया और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। हालांकि, एयरलाइन ने घटना के तकनीकी कारणों या दोनों विमानों में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।

अमरनाथ यात्रा: रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालु उमड़े, 6 जत्थे में 8 हजार से अधिक रवाना

जम्मू (एजेंसी)। पवित्र अमरनाथ यात्रा लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। मंगलवार को यात्रा के छठे जत्थे में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में 8,815 श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुए। इन श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम के आधार शिविरों तक पहुंचाने के लिए कुल 363 वाहनों का एक विशाल काफिला तैनात हुआ। जिला प्रशासन अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के पहले चार दिनों में ही 86 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जिससे इस वर्ष यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

6 जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं में 5,831 पुरुष, 2,193 महिलाएं, 30 बच्चे, 598 साधु, 131 साध्वियां, एक बाल साधु तथा 31 विदेशी पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे, जो यात्रा की व्यापक पहुंच को दिखाता है। बालटाल मार्ग के लिए 3,989 श्रद्धालु सुबह 3.35 बजे 181 वाहनों में रवाना हुए, जबकि पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए 4,826 श्रद्धालु सुबह 4.08 बजे 182 वाहनों के काफिले के साथ निकले। इस काफिले में 172 बसें, 58 मीडियम मोटर व्हीकल, 130 लाइट मोटर व्हीकल और तीन दोपहिया वाहन शामिल थे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा का शुभारंभ 3 जुलाई को हुआ था और इसका समापन 28 अगस्त को होगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या इस यात्रा की लोकप्रियता और धार्मिक आस्था की गहराई का स्पष्ट प्रमाण है। श्रद्धालुओं में बढ़ता जोश व उत्साह इतना है कि रिकॉर्ड संख्या में लोग बिना पंजीकरण के भी पहुंच रहे हैं और मौके पर ही तत्काल पंजीकरण करा रहे हैं।

भारी बारिश में मुंबई का हाल बेहाल, सड़कों पर भरा पानी, रेल यातायात भी ठप

-जलभराव के चलते रिहायशी इलाके में आया 6 फीट मगरमच्छ, रेस्क्यू कर पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन बुरा असर पड़ा है। पानी भरने से जहां एक तरफ रेल यातायात ठप है, वहीं दूसरी तरफ जलभराव के कारण जंगली जानवर भी रिहायशी इलाकों में घुस आए हैं। ऐसा ही घटना पवई के चांद शाह वली दरगाह के पास देखने को मिली। जहां खड़ी गाड़ियों के नीचे एक 6 फीट लंबा मगरमच्छ देखा गया। भारी बारिश के कारण मगरमच्छ रास्ता भटक कर झील से बाहर आ गया था।

सूचना मिलते ही वन विभाग और वन्यजीव संस्थाओं की टीम ने मिलकर सुरक्षित रूप से मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। डॉक्टर द्वारा जांच किए जाने के बाद इसे वापस इसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा। इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पर्यावरणविदों का कहना है कि झीलों के आस-पास बढ़ते निर्माण कार्यों की वजह से मगरमच्छों के रहने की जगह कम हो रही है, जिससे वे इंसानी बस्तियों की तरफ आ रहे हैं।

बता दें मुंबई में भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर वेस्टर्न रेलवे पर पड़ा है। नवसारी-मारोली सेक्शन में पटरियों पर पानी भर जाने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बुधवार को चलने वाली कई प्रमुख ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जिनमें अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस, अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस, अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस कर्णावती एक्सप्रेस, अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल एसी डबल डेकर एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले हेल्पलाइन नंबर 139 या ऐप के जरिए अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर चेक कर लें। मौसम विभाग ने बुधवार को मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग की माने तो निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन सकती है। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग के मुताबिक 9 जुलाई से बारिश की रफ्तार थोड़ी कम होगी और 12 जुलाई से हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।

बता दें एक तरफ जहां मुंबई और पश्चिमी महाराष्ट्र में भारी बारिश हो रही है, वहीं राज्य के कुछ हिस्सों जैसे धुले, नंदुरबार, सोलापुर और मराठवाड़ा में अब तक औसत से कम बारिश हुई है। मुख्यमंत्री कार्यालय और कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम को देखकर ही खेती की तैयारी करें और जहां कम बारिश हुई है, वहां जमीन में अच्छी नमी होने से पहले बुवाई की जल्दबाजी न करें।

महिलाओं को दिल्ली सरकार देगी तोहफा ! हर महीने मिलेंगे 2500 रुपए

-महिला समृद्धि योजना का शुभारंभ 28 अगस्त को कर सकते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए बहुप्रतीक्षित महिला समृद्धि योजना का औपचारिक शुभारंभ 28 अगस्त को किया जा सकता है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में भेजे जाएंगे। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी योजना की शुरुआत कर सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होना बाकी है।

दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल तैयार है और पात्रता के मानदंड भी तय कर दिए गए हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 5110 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुमान है कि दिल्ली की 20 से 22 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। सीएम रेखा गुप्ता पहले कह चुकी हैं कि सरकार योजना को पूरी तैयारी के साथ लागू करना चाहती है, ताकि सभी पात्र महिलाओं तक इसका लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचे और भविष्य में भी योजना सुचारु रूप से चलती रहे।

महिला समृद्धि योजना का लाभ केवल दिल्ली की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा। इसके लिए तय प्रमुख पात्रताएं इस प्रकार हैं। आवेदक महिला की आयु 21 से 60 साल के बीच हो। परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख से 3 लाख तक हो। दिल्ली की स्थायी निवासी होना जरुरत है। राशन कार्ड धारक महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार ने कुछ श्रेणियों की महिलाओं को योजना से बाहर रखा है। इनमें सरकारी नौकरी करने वाली महिलाएं, आयकर भरने वाली महिलाएं, सरकारी पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाएं और चार पहिया वाहन की मालिक महिलाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक योजना के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन के समय महिलाओं को जो जानकारी देनी होगी उसमें आधार नंबर, नाम और जन्म तिथि, लिंग पिता या माता का नाम, वैवाहिक स्थिति, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, दिल्ली में निवास की अवधि आधार से लिंक बैंक खाता। महिला समृद्धि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को नियमित वित्तीय सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुस्लिम आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची विजय सरकार, हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लाम धर्म अपनाने वालों को आरक्षित वर्ग के तहत प्राप्त आरक्षण के लाभ को खत्म करने के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा था कि इस्लाम धर्म अपना लेने वाला व्यक्ति पिछड़े वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण के लाभ का हकदार नहीं है। मद्रास हाईकोर्ट ने इसको लेकर तमिलनाडु सरकार के 2024 के आदेश को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। गो-हत्या पर रोक हटाने की मांग के बाद तमिलनाडु सरकार ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में तमिलनाडु सरकार ने पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अधिसूचित समुदाय या अनुसूचित जाति से इस्लाम धर्म अपनाने वाले लोगों को पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम) मानने का आदेश जारी किया था। यही नहीं, तत्कालीन स्टालिन सरकार ने कम्युनिटी सर्टिफिकेट भी जारी करना शुरू कर दिया था, जिन मुस्लिम जातियों को यह आरक्षण दिया जा रहा था उनमें- अंसार, दक्कनी मुस्लिम, दुबेकुला, लब्बाइस, रोवथर, मराकायार, मपिल्ला, शेख और सैयद शामिल हैं।

मद्रास हाईकोर्ट में जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पीबी बालाजी की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि सरकारी आदेश उन न्यायिक निर्णयों के पूरी तरह से खिलाफ हैं, जो हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। इन न्यायिक फैसलों के मुताबिक धर्म बदलकर इस्लाम अपनाने वाले व्यक्ति को सिर्फ मुसलमान ही माना जा सकता है। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने इस मामले में 6 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर किया है।

तीन देशों के दौरे में पीएम मोदी ब्रह्मोस, रेयर अर्थ मैटेरियल और समुद्री सीमा पर कर रहे चर्चा

-इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देगा भारत, चीन की बढ़ती दादागिरी पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे में जिन समझौतों और साझेदारियों पर चर्चा हो रही है, उनका असर सीधे तौर पर चीन की रणनीतिक क्षमता पर पड़ सकता है। पीएम मोदी की ये यात्राएं दक्षिण चीन सागर में शक्ति के संतुलन पर असल डालने वाली हैं। भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देकर चीन की दादागिरी पर एक ब्रेक सा लगा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ सालों में चीन ने इंडो पैसिफिक और दक्षिण चीन सागर के कई देशों पर धौंस जमाने की कोशिश की। एक ऐसी रणनीति पर काम किया, जिससे वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर सीधा दबाव बढ़ा और तो और चीन ने दक्षिण चीन सागर के साथ भारत की घेराबंदी के लिए इंडिया के पड़ोसी देशों को साधने की कोशिश की। अब भारत के सहयोग से इंडोनेशिया ने तय किया है कि वह अपनी सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा मजबूत करेगा और इसीलिए उसने ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का फैसला किया है। इससे अब इंडोनेशिया की समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ेगी।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से दुश्मन के जहाजों, समुद्री ठिकानों और जमीन पर मौजूद सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। इंडोनेशिया की बढ़ती ताकत को देख चीन का परेशान होना लाजिमी है। ब्रह्मोस डील के अलावा भारत और इंडोनेशिया के बीच सबांग पोर्ट को लेकर बढ़ता सहयोग सबसे ज्यादा चर्चा में है। सबांग बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित है, जहां से दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। चीन का करीब 80 फीसदी ऊर्जा आयात इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में भारत की बढ़ती मौजूदगी चीन का टेंशन और बढ़ा सकती है। इंडोनेशिया के बाद पीएम मोदी 8 जुलाई को मेलबर्न पहुंच रहे हैं, जहां उनका ऑस्ट्रेलिया दौरा 8-10 जुलाई तक चलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पिछले कुछ सालों में रणनीतिक साझेदार के रूप में तेजी से करीब आए हैं। दोनों देश क्वाड समूह का हिस्सा हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त एवं खुले समुद्री मार्गों की वकालत करते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा में महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और रक्षा सहयोग पर चर्चा केंद्र में है। चीन लंबे समय से दुर्लभ खनिजों और इसके वैश्विक सप्लाई चेन पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस बार रेयर अर्थ और क्रिटिकल मिनरल्स सहयोग पीएम मोदी की यात्रा का सबसे अहम एजेंडा माना जा रहा है। दोनों देश ऐसे समझौतों पर काम कर रहे हैं, जिनसे भारत की चीन पर निर्भरता कम हो और इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए जरूरी खनिजों की सुरक्षित सप्लाई सुनिश्चित हो सके।

ऑस्ट्रेलिया के बाद पीएम मोदी न्यूजीलैंड जाएंगे। न्यूजीलैंड भले ही सैन्य दृष्टि से बड़ा खिलाड़ी न हो, लेकिन अपने लोकेशन की वजह से हिंद-प्रशांत की राजनीति में उसका महत्व बढ़ रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार, कृषि, शिक्षा और डिजिटल सहयोग पर जोर दिया जा रहा है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा तेज हुई है, लेकिन इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। चीन लंबे समय से न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, लेकिन वेलिंगटन अब अपने आर्थिक विकल्पों को विविध बनाने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा है कि अपनी न्यूजीलैंड यात्रा में वे आर्थिक, व्यापारिक और कमर्शियल संबंधों को और कैसे बेहतर बनाया जाए इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com